• जयपुर, मंगलवार, 27 अगस्त 24 • वर्ष 14 • अंक 112 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

पेज @3 देश में असामाजिक तत्वों द्वारा राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के साथ मोदी सरकार...

पेज @4 खेल सप्ताह के पहले दिन प्रभात फेरी में रही आमजन की भी भागीदारी...

पेज @8 सांवलिया सेठ के दर उमड़ा श्रद्धा का ज्वार...

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जन्माष्टमी पर श्रीनाथ जी मंदिर में किए दर्शन

सांदीपनि आश्रम तक विकसित करेंगे 'श्री कृष्ण गमन पथ'

चमकता राजस्थान

जयपुर, 26 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर डीग के पूंछरी का लौठा स्थित मुखारविंद मंदिर में सपत्नीक अभिषेक किया और श्रीनाथ जी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की।

शर्मा ने श्रीनाथजी के मंदिर में फल-फूल अर्पित कर श्री कृष्ण की आरती की तथा प्रदेश की 8 करोड़ जनता की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुदर्शनधारी श्री कृष्ण भगवान ने भगवतगीता के माध्यम से पूरी दुनिया को कर्म एवं धर्म का संदेश दिया है। उनका संदेश पूरी मानव जाति के लिए अमूल्य धरोहर है।

राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की सरकारें विकसित करेंगी श्रीकृष्ण गमन पथ

» मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने महर्षि सांदीपनि के आश्रम (उज्जैन) में शिक्षा ग्रहण की थी। मथुरा से सांदीपनि आश्रम तक जाने वाले मार्ग को राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की सरकार संयुक्त रूप से विकसित करेंगी। इस 'श्रीकृष्ण गमन पथ' पर श्री कृष्ण के जीवन काल से जुड़े तथा पौराणिक आस्था के स्थानों को चिन्हित कर उनका विकास किया जाएगा। इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक बहादुर सिंह कोली, डॉ. शैलेष सिंह, सुश्री नौक्षम चौधरी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री का ग्रामीणों ने आत्मीयता के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया।

युवक के पेट से निकला नेल कटर, चाकू, चाबी का छल्ला और बहुत कुछ.. डॉक्टरों का माथा घूम गया

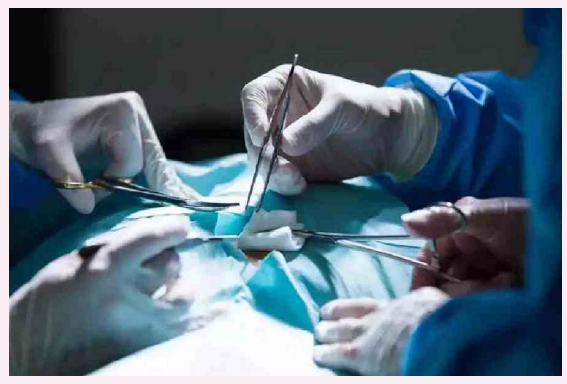

चंपारण/एजेंसी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में डॉक्टरों ने एक युवक के पेट से चाबी का छल्ला, एक चाकू और नेल कटर समेत धातु की कई वस्तुएं निकालीं. पूर्वी चंपारण के जिला मुख्यालय मोतिहारी स्थित एक निजी अस्पताल में 22 वर्षीय युवक को कुछ दिन पहले पेट में तेज दर्द की शिकायत के बाद भर्ती कराया गया था.

● एक्स-रे रिपोर्ट में पेट में धातु जैसी वस्तुएं दिखीं

युवक की सर्जरी करने वाले डॉक्टरों की टीम के प्रमुख डॉ. अमित कुमार ने पत्रकारों से कहा, मानसिक उपचार करा रहे युवक को कुछ दिन पहले उसके परिवार के सदस्य पेट में तेज दर्द की शिकायत के साथ अस्पताल लेकर आए थे.... इसके बाद हमें उसकी एक्स-रे रिपोर्ट में उसके पेट में धातु जैसी वस्तुएं दिखीं जिसके बाद ऑपरेशन करने का फैसला किया गया. शुरुआत में हमने सर्जरी के बाद चाबी का छल्ला निकाला.

● चाकू.. नेल कटर और बहुत कुछ

उन्होंने कहा कि इसके तुरंत बाद एक और सर्जरी करने का फैसला किया गया क्योंकि हमें एक और एक्स-रे रिपोर्ट में उसके पेट में धातु जैसी और वस्तुएं दिखीं. हमने उसके पेट से दो अलग-अलग चाबियां, एक चाकू (जो चार इंच का था) और दो नेल-कटर निकाले.

● डॉक्टरों के लिए चौंकाने वाला केस

चिकित्सक ने कहा, यह हमारे लिए वाकई चौंकाने वाला था. जब हमने युवक से पूछा, तो उसने बताया कि उसने हाल ही में धातु की वस्तुएं निगलना शुरू कर दिया था. अब युवक ठीक है और उसकी हालत दिन-ब-दिन सुधर रही है. डॉक्टर ने कहा कि युवक को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं, जिसके लिए वह दवाएं ले रहा है.

● जोखिम भरी सर्जरी

उन्होंने कहा कि उसकी सर्जरी जोखिम भरी थी. आमतौर पर बच्चों में ऐसे मामले सामने आते हैं. डॉक्टर ने कहा कि मरीज को जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी. युवक के परिवार के सदस्य इस बारे में टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं हो सके.

हरियाणा में सरकार भी बदलेगी और व्यवस्था भी : कुमारी सैलजा

नारनौल/एजेंसी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री, उत्तराखंड की प्रभारी एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में आज बदलाव की बयार बह रही है, हरियाणा में सरकार भी बदलेगी और व्यवस्था भी बदलेगी। सरकार ने अग्निवीर के नाम पर युवाओं से मजाक किया है उनके भविष्य से खिलवाड़ किया है, अगर उनकी शहादत हो जाए तो सरकार उन्हें शहीद का दर्जा तक नहीं देती। उधर महंगाई की मार से महिलाएं परेशान है, बेरोजगारी से अपराध बढ़ रहा है और अपराध से प्रदेश में भय का माहौल है, रंगदारी मांगी जा रही है, गोलियां चलाई जा रही है और सरेआम हत्याएं की जा रही है। भाजपा सरकार के दस साल के कार्यकाल से परेशान प्रदेश की शांतिप्रिय जनता वोट की चोट से भाजपा सरकार से बदला लगी और उसे बाहर का रास्ता दिखाएगी।

न्यूज अपडेट

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव

भाजपा ने 44 उम्मीदवारों के नाम का किया ऐलान, पूर्व डिप्टी सीएम का टिकट कटा

नई दिल्ली/एजेंसी। जम्मू कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने 44 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। भाजपा ने सोमवार को जारी किए गए अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट में प्रथम चरण में होने वाले चुनाव के लिए 15 सीटों पर, दूसरे चरण में चुनाव वाले 10 सीटों पर और तीसरे चरण में चुनाव वाले 19 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं।

भाजपा ने पाम्पोर से इंजी.सैयद शौकत गयूर अंद्राबी, राजपोरा से अर्शीद भट्ट, शौपियां से जावेद अहमद कादरी, अनंतनाग पश्चिम से मोहम्मद रफीक वानी, अनंतनाग से अधिवक्ता सैयद वजाहत, किश्तवाड़ से शगुन परिहार,भदरवाह से दिलीप सिंह परिहार,डोडा से गजय सिंह राणा, रामबाण से राकेश ठाकुर,बनिहाल से सलीम भट्ट, हब्बाकदल से अशोक भट्ट और रियासी से कुलदीप राज दुबे को उम्मीदवार घोषित किया है।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर देश भर में उत्साह, रंग-बिरंगे फूलों से सजाए मंदिर

नई दिल्ली/एजेंसी।

देश भर के मंदिरों में सोमवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर लोगों में उत्साह है। दिल्ली-एनसीआर के अलावा, करनाल, वाराणसी और अमेठी में सुबह से ही मंदिरों को सजाने का कार्य शुरू कर दिया गया। रंग-बिरंगे फूलों से मंदिरों को सजाया गया है। इस दौरान कई अन्य कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है।

गौरतलब है कि भगवान श्री कृष्ण का जन्म भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। हर साल श्री कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर देश भर में भव्य आयोजन किए जाते हैं। इस मौके पर उत्तर प्रदेश की धर्म नगरी काशी में विश्वनाथ मंदिर से लेकर इस्कॉन मंदिर तक धूम है। यहां सुबह से ही भक्तों का तांता लगा हुआ है। इस दौरान 251 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया जाएगा। अमेठी में श्री कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर मंदिरों को सजाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। मंदिर

प्रशासन से जुड़े आनंद कुमार ने बताया कि मंदिरों को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया है। सजावट में एलईडी लाइटों का इस्तेमाल किया गया है। रात के वक्त भगवान को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया जाएगा। हरियाणा के करनाल स्थित हनुमान मंदिर में में श्री कृष्ण जन्माष्टमी मनाने की तैयारी की गई है। मंदिर को खूबसूरत ढंग से सजाया गया है। मंदिर के पुजारी सुरेंद्र ने बताया कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी मनाने के लिए भव्य तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी के दिन व्रत करने का विशेष फल मिलता है। भगवान व्रतधारियों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। रात 12 बजे जब भगवान श्री कृष्ण का जन्म हो जाएगा, तब व्रतधारी व्रत खोल सकते हैं।

अमित शाह का बड़ा ऐलान, लद्दाख में बनाए गए 5 नए जिले

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए लद्दाख में पांच नए जिलों के गठन की जानकारी दी है। इस फैसले का उद्देश्य क्षेत्र में प्रशासनिक सेवाओं को सुदृढ़ करना और विकास की गति को बढ़ाना है। लद्दाख के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। अमित शाह ने ट्वीट कर कहा प्रधानमंत्री के विकसित और समृद्ध लद्दाख के निर्माण के सपने को साकार करने के लिए गृह मंत्रालय ने केंद्र शासित प्रदेश में पांच नए जिले बनाने का फैसला किया है। नए जिले, जिनका नाम ज़ांस्कर, द्रास, शाम, नुबरा और चांगथांग है, हर गली-मोहल्ले में शासन को मजबूत करके लोगों के लिए लाभ को उनके दरवाजे तक पहुंचाएंगे।

हिमाचल के नाहन में पेड़ काटने के दौरान हादसा, कई गाडियां दबीं

नाहन/एजेंसी।

हिमाचल प्रदेश के नाहन में सुबह एक भारी-भरकम पेड़ के काटने के दौरान लापरवाही से एक बड़ा हादसा हुआ। पेड़ काटने के दौरान नीचे खड़ी कई गाडियां दब गईं। हादसे की चपेट में एक चलती कार भी आ गई।

यह हादसा महिमा लाइब्रेरी, डीसी ऑफिस और कोर्ट जाने वाले मार्ग पर हुआ। जानकारी के अनुसार, काली स्थान मंदिर परिसर में पेड़ काटने का काम किया जा रहा था, इसी दौरान पेड़ सड×क पर चल रही गाड़ी पर जा गिरा। इस दौरान न तो यातायात को रोका गया था और न ही वहां खड़ी गाडियों को हटाना जरूरी समझा गया। गनीमत यह रही कि पेड़ कार के बोनट पर गिरा और बड़ा हादसा होने से बच गया। हादसे के बाद यातायात प्रभावित हो गया। लोगों ने प्रशासन से इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि पेड़ को बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के काटा जा रहा था। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। हादसे की चपेट में आने वाली चलती कार में एक छोटे बच्चे समेत तीन लोग सवार थे। कार सवार महिला ने प्रशासन की लापरवाही के लिए जमकर खरी-खोटी सुनाई और सख्त कार्रवाई की मांग की।

शिवाजी महाराज की जिस प्रतिमा का पीएम मोदी ने किया था अनावरण, वह ढही

मुंबई/एजेंसी।

विपक्ष ने शिंदे सरकार को घेरा

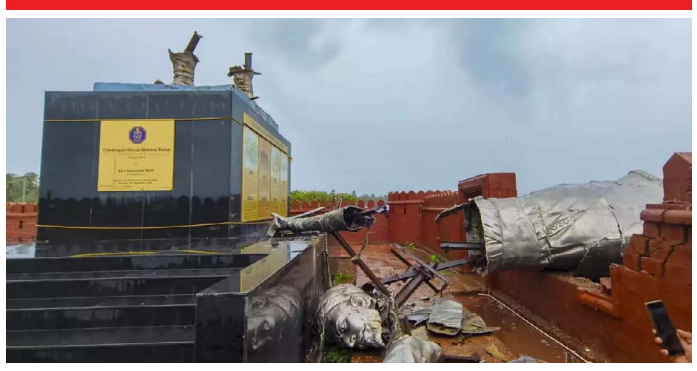

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के एक किले में मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज की 35 फीट ऊंची प्रतिमा सोमवार को ढह गई। गौरतलब है कि इस प्रतिमा का अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इस घटना के बाद विपक्षी दलों ने राज्य की शिंदे सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि काम की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, प्रतिमा मालवन स्थित राजकोट किले में दोपहर एक बजे ढही। उन्होंने बताया कि विशेषज्ञ प्रतिमा के ढहने के वास्तविक कारण का पता लगाएंगे। हालांकि, जिले में बीते दो-तीन दिनों में भारी बारिश के साथ तेज हवाएं चली हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि मौसम के कारण प्रतिमा अचानक ढह गई। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

बता दें कि पीएम मोदी ने नौसेना दिवस के मौके पर पिछले साल दिसंबर में प्रतिमा का अनावरण किया था। वह किले में आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए थे। विपक्ष ने शिंदे सरकार पर साधा निशाना राकांपा-एसपी के प्रदेशाध्यक्ष और पूर्व मंत्री जयंत पाटिल ने कहा, ''राज्य सरकार इस घटना के लिए जिम्मेदार है क्योंकि उसने उचित देखरेख नहीं की। सरकार ने काम की गुणवत्ता पर बहुत कम ध्यान दिया। इसने केवल कार्यक्रम आयोजित करने पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें पीएम मोदी को प्रतिमा का अनावरण करने के लिए आमंत्रित किया गया था।''

कोलकाता रेप केस : कपड़े, अंडरगारमेंट्स और मुख्य आरोपी की 9 चीजें मिली, सीबीआई के हाथ लगे 53 सबूत

कोलकाता/एजेंसी।

कोलकाता स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या की गुत्थी अभी सुलझी नहीं है। मामले की जांच कर रही सीबीआई के हाथ 53 अहम सबूत लगे हैं। इनमें मुख्य आरोपी संजय रॉय की 9 चीजें भी शामिल हैं। सीबीआई को अहम सबूत मिलने के बाद संजय रॉय की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

सीबीआई के हाथ जो सबूत लगे हैं, उनमें डिजिटल सबूत, सीसीटीवी फुटेज और फोरेंसिक रिपोर्ट अहम है। सीबीआई ने संजय रॉय के कपड़े, अंडरगारमेंट्स और सैंडल को जब्त किया है। बताया जा रहा है कि इन चीजों को उसने वारदात के वक्त पहना था। सीबीआई को इसके अलावा मुख्य आरोपी की मोबाइल टावर लोकेशन भी मिली है, जिससे पता चलता है कि वह वारदात के वक्त वहीं पर मौजूद था। साथ ही उसकी बाइक और हेलमेट को भी सबूत के तौर पर जब्त किया गया है। इसके अलावा 40 और महत्वपूर्ण चीजें हैं जो राज्य फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला ने क्राइम सीन से इक्ठा की थीं।

पानी पाताल और हम आसमान में

आज पानी पाताल में जा रहा है और हम आसमान में। दुनिया पानी-पानी चिल्ला रही है और हम पानी की बरबादी कर रहे हैं। नतीजा सामने है। अब तो गले ही नहीं सूखे, धरती तक प्यासी है। वह चाहे बुंदेलखंड का कोई क्षेत्र हो या महाराष्ट्र का दुर्गम इलाका। बंजर खेत हकीकत बयां कर रहे हैं। एक समय उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड के अधिकांश किसानों के खेत में कुआं होता था। किसान कुओं से सिंचाई करते थे। कुओं में पारंपरिक सिंचाई की विधि रेहट होती थी। इस रेहट को बैल खींचते थे। रेहट से निलकता पानी नालियों के माध्यम से खेतों को सींच देता था। आज अब न तो उस तरह के जीवट किसान रहे और न ही पुराने संसाधन। करीब चार दशक पहले रेहट में काफी बदलाव किए गए। लकड़ी की जगह लोहे के रेहट बाजार में आ गए। यहीं गच्चा खा गए लोग। सिंचाई के नवीन विज्ञान के ज्ञान ने श्रम की जल शक्ति को यंत्र की शक्ति ने मात दे दी है। पहले के रेहट में एक भी लोहे की कील नहीं लगती थी। मिट्टी के घड़े तथा जामुन की लकड़ी, छिवल (छियूल) की रस्सी का प्रयोग होता था। इसमें एक पैसे का खर्च नहीं था। सब प्राकृतिक था। अफसोस नवीन ज्ञान ने कुआं, तालाब, गांव के सामूहिक परंपरा जल स्रोत खत्म कर दिए। बाकी जो बचे हैं वो भी खत्म होने वाले हैं। अगर हम अभी नहीं चेते तो फिर पछताने के सिवा कुछ नहीं बचेगा।

जल चर्चा, विचार गोष्ठी, पानी की पाठशाला, तालाब पूजन जैसे तमाम उपक्रमों के बावजूद सूखा जैसी विभीषिका का सामना करना चिंतानजक है। दरअसल जलक्रांति बिना जनांदोलन के असंभव है। आम आदमी चिंतित तो है पर वह भी क्या करे। शाम की दाल-रोटी का इंतजाम करने में ही सारा दिन खप जाता है। अगली सुबह यही सब फिर उसकी दिनचर्या का हिस्सा होता है। तीसरा विश्व युद्ध पानी को लेकर लड़े जाने की भविष्यवाणी तक हो चुकी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने जल संकट से संभावित जिलों में जल कोष यात्रा शुरू कर नेक काम किया है। यह सबसे बड़ा अकाट्य सत्य है कि सब कुछ बनाया जा सकता है पर पानी बनाया नहीं जा सकता। उसे केवल बचाया जा सकता है। और हम वही नहीं कर पा रहे। जल के बिना सामाजिक आर्थिक ताना-बाना टूटता नजर आता है। जल का बाजारीकरण जल समस्या का समाधान नहीं है। अन्नदाता किसान ने यदि पानी के अभाव में खेती करना छोड़ दिया तो क्या होगा, यह सोचकर आत्मा रोने लगती है। आत्मनिर्भरता स्वावलंबी बने इस दिशा में जमीनी प्रयास होने चाहिए। सामुदायिक प्रयास भी जरूरी हैं। जिस तरह हम साल भर के लिए अपने घर का बजट बनाते हैं उसी प्रकार पानी का बजट भी बनाएं तो जल संकट से काफी हद तक बचा जा सकता है। जल में सिद्धि होती है। जल में समृद्धि है। जल में अमृत है। जल में ऊर्जा है। नदियों को तप से पृथ्वी पर लाया गया। जलाशय हमारे लिए सदैव पूजनीय हैं। इसलिए जल संरक्षण रचनात्मक और सामाजिक दायित्व है। यह कार्य अकेले नहीं होते। इसमें पूरे समुदाय और समाज का वर्षों का श्रम अनुभव समाहित होता है।

सब कहते हैं जल जीवन का आधार है। जल ही जीवन है। जल अनमोल है। जल विलक्षण है। जल सर्वव्यापी है। जल असाधारण है। जल राष्ट्रीय संपदा है। जल परमेश्वर है। जल शिव है। जल शंकर है। जल अमृत है। जल शक्ति है। जल ऊर्जा है। धर्म के आधार पर केवल पानी ही पवित्र करता है। भारतीय संस्कृति पूजा प्रधान है। पूजा पवित्रता के लिए जल आवशयक है। जल में आध्यात्मिक शक्तियां होती हैं। दुनिया की सभी पुरानी सभ्यताओं का जन्म जल के समीप अर्थात नदियों के किनारे हुआ है। दुनिया के जितने पुराने नगर हैं वे सब नदियों किनारे बसे हैं। जल पाने के मुख्यतः चार स्रोत हैं नदियां, झीलें, तालाब, कुआं। हर मर्ज की दवा पानी है। दुनिया के सामने जल संकट है। इस समस्या से कैसे निपटा जाए। क्या रणनीति बने। सबको सोचना होगा। मनुष्य को प्रतिदिन तीन लीटर पानी पीने के लिए चाहिए। जीव, जीवन और जल तीनों का आपस में अंतरंग गहरा संबंध है। जल चक्र को बनाए रखने के लिए कोहरे (ओला, बर्फ और पाला) की भूमिका महत्वपूर्ण है। पानी में यदि भाप बनने का गुण ना होता तो दुनिया को पानी ही ना मिलता। पानी को छोड़कर दुनिया की सभी चीजें सर्दी में सिकुड़ती है लेकिन सर्दी में पानी फैलता है। दुनिया के हर चीज का तापमान पानी के तापमान के मानक से नापा जाता है। दुनिया की अर्थव्यवस्था में जल का बहुत बड़ा योगदान है।

पानी सदैव नीचे की ओर बहता है। वह अपना रास्ता बना स्वयं बना लेता है। हमारे वेदों और धर्म शास्त्रों में जल संरक्षण के बारे में पहले ही सचेत किया जा चुका है। पृथ्वी में जितने भी जीव हैं उनका जीवन जल पर निर्भर है। पेड़ में, फलों में, अनाज में, पत्तों में और जड़ों में जो स्वाद और रस है, वह सब जल के कारण है। यानी पानी के बिना सब सून है। गोस्वामी तुलसीदास महाराज ने रामचरितमानस में कहा है-क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा, पांच तत्व मिल रचा शरीरा।। कबीर ने कहा है- पानी केरा बुदबुदा अस मानुस की जात।। रहीम कह गए हैं-रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून।। वेदों में कहा गया है कि जल देवता की भक्ति और सेवा से सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं। प्राचीन काल से हम स्तुति प्रार्थना करते चले आ रहे हैं। जल को स्वच्छ बनाए रखना भी जल देवता की पूजा है। जन्म से लेकर मृत्यु तक पानी का हमारे जीवन में सबसे बड़ा स्थान है। पानी में ही सारे देवता रहते हैं। इसलिए जब कोई धार्मिक अनुष्ठान होता है तब उसमें सबसे पहले कलश की पूजा होती है या कलश यात्रा निकलती है। हमारे पूर्वज, माता-पिता जब चारोंधाम की यात्रा अथवा गंगा-जमुना दर्शन जाते थे तो कुछ लाएं या ना लाएं लेकिन तीर्थ से जल जरूर लाते थे। आज भी ऐसा होता है। अर्थात जल सबसे पवित्र है। पानी को आदर देना होगा। सरकार के साथ हर व्यक्ति को अपने स्तर पर पानी बचाने की कोशिश करनी होगी। पानी को हम चाहे जो मानें मगर वह पानी ही है जिसकी पतली सी लकीर नई आशा की किरण देती है। प्रकृति ने जो पानी हमें मुफ्त में दिया है हमने उसे बाजार में बिक्री की चीज बना दिया है। हमने अपनी जल सभ्यता और जल संस्कृति का सत्यानाश कर दिया है।

प्रकृति की चेतावनी को अनसुना करना ठीक नहीं

डॉ. आशीष वशिष्ठ

प्रकृति का अत्यधिक दोहन और छेड़छाड़ के दुष्परिणाम वायनाड, जोशी मठ और केदारघाटी के तौर पर हमारे समक्ष हैं। प्रकृति बार-बार किसी ने किसी घटना या तरीके से पूरी मानव जाति को चेतावनी और संदेश दे रही है, और हम लगातार प्रकृति के संदेशों को अनसुना और अनदेखा कर रहे हैं। 2013 में केदार घाटी में जो सैलाब आया और तबाही हुई अथवा उत्तरकाशी में भूकंप के बाद जो बाढ़ आई, हमने उन्हें ही प्रलय माना। विनाश और बर्बादी का दूसरा नाम प्रलय है। केरल के वायनाड जिले में लगातार तीन भू-स्खलन आए और फिर सैलाब। गांव के गांव दफन हो गए, 400 से अधिक घर देखते ही देखते 'मलबा' हो गए, करीब 387 मौतें हुई। यह प्रलय नहीं है, तो और क्या है?

'स्थावराणां हिमालयः', इस प्रसंग का उल्लेख श्रीमद्भागवत गीता के दसवें अध्याय के 25 वें श्लोक में हुआ है। इसमें 'श्रीकृष्ण' ने कहा है कि 'मैं स्थिर रहने वालों में हिमालय हूं'। सुखमय जीवन के लिए वेदों में हिमालय की आराधना का उल्लेख भी हुआ है। महाकवि कालिदास ने अपने महाकाव्य 'कुमारसंभव' में हिमालय को 'धरती का मानदंड' तथा 'दुनिया की छत व आश्रय' बताया था। अनादिकाल से पहाड़ आध्यात्मिक चेतना की पुण्यभूमि रहे हैं। प्रकृति के प्रबल उपासक रहे कई ऋषि मुनियों की तपोस्थली, भक्ति व अनुसंधान का केंद्र पर्वतराज हिमालय ही रहा है। मगर बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं व अंधाधुंध निर्माण कार्य पहाड़ों की स्थिरता को चुनौती पेश कर रहे हैं।

16 जून 2013 को केदारनाथ धाम के पीछे मौजूद चोराबाड़ी ग्लेशियर के ऊपर बादल फटा। ग्लेशियर में बनी एक पुरानी झील में इतना पानी भर गया कि उसकी दीवार टूट गई। पांच मिनट में पूरी झील खाली हो गई। पानी इतनी तेजी से निकला कि केदारनाथ धाम से लेकर हरिद्वार तक 239 किलोमीटर तक सुनामी जैसी लहरें देखने को मिलीं। चारों तरफ तबाही और बर्बादी। हजारों लोग मारे गए। हजारों का आज भी पता नहीं चला। नदियों का बढ़ा जलस्तर देख डर लग रहा था। लोगों को बचाने के लिए सेना, एयरफोर्स और नौसेना ने 10 हजार से ज्यादा सैनिक और 50 से ज्यादा हेलीकॉप्टर और विमान लगाए। वायुसेना के विमानों ने 2137 बार उड़ान भरी। 1.10 लाख से ज्यादा लोगों को बचाया गया। साल-दर-साल बीतते चले गए।

हादसे के निशान तो अब भी पहाड़ों की ढलानों पर दिखते हैं। केदारनाथ धाम जाने की दूरी भी बढ़ गई। क्योंकि रामबाड़ा कस्बा पूरी तरह से खत्म हो गया था। नया रास्ता बनाया गया। जो पुराने रास्ते से करीब तीन किलोमीटर ज्यादा है। पहले आप केदारनाथ घाटी के बाएं पहाड़ों पर चलते हुए मंदिर तक जाते थे अब रामबाड़ा से रास्ता दाहिनी ओर कट जाता है। उत्तराखंड का शहर जोशीमठ धीरे-धीरे जमीन में धंसता जा रहा है। 2023 में जोशीमठ से जुड़े समाचार देश दुनिया में छाये हुए थे। विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान संकट कई कारणों से उत्पन्न हुआ है, जिनमें वर्षों से चल रहा अनियोजित निर्माण, जलविद्युत परियोजनाएं और उचित जल निकासी व्यवस्था का अभाव शामिल है। 1976 में एक सरकारी रिपोर्ट में जोशीमठ में भारी निर्माण कार्य पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई थी, जिसमें कहा गया था कि "मिट्टी की भार वहन क्षमता" की जांच के बाद ही इसकी अनुमति दी जानी चाहिए। रिपोर्ट में उचित जल निकासी और सीवेज प्रणाली के निर्माण तथा कटाव को रोकने के लिए कंक्रीट सीमेंट ब्लॉक लगाने का भी सुझाव दिया गया था। लेकिन विशेषज्ञों की हर हिदायत और चेतावनी को अनसुना किया गया।

वायनाड में जो कुछ हुआ, यह कुदरती मार नहीं, मानव-निर्मित घटना है, क्योंकि आदमी अपनी मौज मस्ती और ऐयाशी के लिए पहाड़ों को तोड़ रहा है। पहाड़ों की चोटियों पर भी इमारतें बनाई जा रही हैं। केरल की भौगोलिक स्थिति परंपरागत पहाड़ों से भिन्न है, लेकिन देश भर के 80-85 फीसदी भू-स्खलन केरल में ही आते हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के मुताबिक, 2015 से 2022 तक 3782 भूस्खलन आए। उनमें से करीब 60 फीसदी केरल में ही आए। मौजूदा हालात पर विशेषज्ञों का मानना है कि अरब सागर का तापमान बढ़ने से बेहद घने बादल बने और उसी से केरल में कम समय में बहुत ज्यादा बारिश हुई। वायनाड पहाड़ी जिला है और पश्चिमी घाट का हिस्सा है। यहां 2100 मीटर तक ऊंचे पहाड़ हैं।

विशेषज्ञों की मानें तो, जलवायु-परिवर्तन ने भी बारिश की स्थिति और भूस्खलन की तीव्रता को बढ़ाया है। एक शोध में कहा गया है कि जो वायनाड साल भर बूंदाबांदी और मानसून की बारिश वाला ठंडा, नम वातावरण वाला इलाका होता था, जलवायु-परिवर्तन के कारण अब सूखा, गर्म, लेकिन मानसून के दौरान भारी, तीव्र बारिश वाला क्षेत्र बन गया है। इस बदलाव से भूस्खलन का जोखिम बढ़ा है। 2018 के मानसून में भी खूब बारिश हुई थी, तब करीब 400 लोगों की जान चली गई थी। उसके बाद केरल में भू-स्खलन वाला क्षेत्र बढ़ गया है। इस हादसे, संकट या घटना पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। देश में हर राज्य में, हर क्षेत्र में विकास होना चाहिए, लेकिन ऐसी घटनाओं से सबक भी सीखना चाहिए। विकास-कार्य जापान और ताइवान सरीखे देशों में भी हो रहे हैं। वहां भी पहाड़ काटे जा रहे हैं, लेकिन ऐसे हादसों से बचने के बंदोबस्त भी किए जा रहे हैं। वे दीवार पुश्ता लगाना हो अथवा पेड़-पौधों का रोपण या कुछ और बंदोबस्त करना हो, जापान इसमें अग्रणी रहा है। वहां के पहाड़ों को स्थिर बनाए रखने के लिए विशेष तरह की जालियां तक लगाई गई हैं। देश के उत्तराखंड राज्य में टिहरी बांध में ढलानों की कटाई के बाद बेहतर सुरक्षा उपाय किए गए हैं। ताइवान ने पहाड़ पर दबाव मापी यंत्र लगाकर एक भिन्न प्रयोग किया है। इससे यथासमय पता चल जाता है कि पहाड़ पर कितना दबाव है और वह लोगों को पहाड़ के दरकने को लेकर आगाह कर देता है। हमारे देश में जो निर्माण-कार्य बेलगाम और अनियोजित तरीके से किए जाते हैं। खनन तक धड़ल्ले से कराया जाता है। पहाड़ को काटते-तोड़ते रहेंगे, तो ऐसे 'प्रलय' कैसे रोके जा सकते हैं? इस विषय पर गंभीर चिंतन होना चाहिए।

निस्संदेह, मौजूदा परिस्थितियों में जरूरी है कि विभिन्न राज्यों में ऐसी आपदाओं से बचाव की तैयारी करने और निपटने के लिये तंत्र को बेहतर ढंग से सुसज्जित करने के तौर-तरीकों पर भी युद्धस्तर पर काम किया जाए। इसमें दो राय नहीं कि हाल के वर्षों में देश में आपदा प्रबंधन की दिशा में प्रतिक्रियाशील तंत्र सक्रिय हुआ है और जान-माल की क्षति को कम करने में कुछ सफलता भी मिली है, लेकिन इस दिशा में अभी बहुत कुछ करना बाकी है। इसके साथ ही पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रभाव के बारे में विशेषज्ञों की चेतावनियों पर ध्यान देने की जरूरत है। जिसके लिये राज्य सरकारों की सक्रियता, उद्योगों की जवाबदेही और स्थानीय समुदायों की जागरूकता की जरूरत है।

अपनी आबादी की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने की तुलना में देश कहीं ज्यादा तेजी से प्राकृतिक संसाधनों को खत्म कर रहे हैं। गौरतलब है कि इन देशों में भारत भी शामिल है जो अभी भी अपने देश में रहने वाले लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है। यह जानकारी हाल ही में यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स द्वारा वर्ष 2021 में किए एक अध्ययन में सामने आई है जोकि जर्नल नेचर सस्टेनेबिलिटी में प्रकाशित हुआ है। वायनाड की त्रासदी का बड़ा सबक यह है कि हमें प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण ढंग से इस्तेमाल के प्रति नये सिरे से प्रतिबद्ध होना होगा। केदारनाथ, जोशीमठ और वायनाड में प्रकृति के रौद्र रूप हम देख और भोग चुके हैं। इसलिए समय रहते प्रकृति की चेतावनियों और संदेशों को समझना होगा, अपितु आने वाले समय में प्रकृति का रौद्रता का आकार विशाल और भयानक हो सकता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

चरैवेति-चरैवेति ही जीवन-सत्य

गिरीश्वर मिश्र

हमारी संस्कृति यात्रा के वृत्तांत में श्रीकृष्ण एक प्रेरणादायी, ज्ञानवर्धक और चित्ताकर्षक अध्याय है जो कई दृष्टियों से अनोखा और अप्रतिम है। मधुराधिपति श्रीकृष्ण की सुमधुर अनुभूति और स्मृति युगों-युगों से भारतीय मानस को ऊर्जा देती आ रही है। उनसे जुड़े मथुरा, ब्रज, नंदगांव, बरसाने, वृंदावन, श्रीनाथ जी, बिट्ठल जी, द्वारिका आदि तीर्थ स्थल भक्तों के लिए सजीव बने हुए हैं। इन स्थानों पर नित्य कोई न कोई उत्सव होता है और कृष्ण-रस का स्वाद पाने के लिए लोग आतुर रहते हैं। व्यास, जयदेव, चैतन्य महाप्रभु, बल्लभाचार्य, मधुसूदन सरस्वती, सूरदास, मीरा, रसखान आदि अनेक आचार्यो, संतों, भक्तों और कवियों ने कृष्ण को गीत-संगीत, काव्य, नृत्य, चित्र-कला आदि में सम्मिलित कर कई तरह से लोक-जीवन के स्पंदन का अनिवार्य हिस्सा बना दिया है। प्रभुपाद भक्तिवेदांत से आरम्भ हुआ इस्कान आज अंतरराष्ट्रीय स्तर कृष्ण-भक्ति का संदेश बिखेर रहा है। जन्माष्टमी, कृष्ण-कथा, कृष्ण-लीला और रास-लीला आदि के माध्यम से कृष्ण का अनुभव बासी नहीं पड़ता। वह आज भी ताजा होता रहता है और भारत के विभिन्न भागों में अपरिमित संभावनाओं से भरपूर बना हुआ है।

श्रीकृष्ण परिपूर्णता की प्रतिमूर्ति हैं और पूर्ण होने की शर्त ही है कि वह रचना अपने में सबको साथ लेकर और समेट कर चले। आखिर सर्वसमावेशी हो कर ही तो कोई पूर्ण होने का दावा कर सकता है। पूर्ण रचना में विविध प्रकार के तत्व यहां तक कि जो एक दूसरे के विपरीत भी हों उनके लिए भी जगह होती है। तभी पूर्णावतार श्रीकृष्ण सब कुछ के बीच बिना डिगे अविचलित और अच्युत बने रहते हैं। वे बड़े गतिशील हैं पर आवशयक मर्यादाओं का ख्याल रखते हैं और यथासम्भव उनका निर्वाह भी करते हैं। वे यह भी जानते हैं कि यदि प्रचलित मर्यादाएं लोक-कल्याण के विरुद्ध हैं तो उनको तोड़ने से पीछे नहीं हटना चाहिए । वे पहले से भिन्न और बड़ी मर्यादा बना कर खड़ी करते हैं और फिर जरूरत पड़ने पर उसका भी अतिक्रमण करने से पीछे नहीं हटते। यह सब करते हुए कर्मठ और सत्यान्वेषी श्रीकृष्ण एक अनथक यात्री के रूप में हमारे सामने उपस्थित होते हैं जिन्हें विश्राम का अवसर नहीं है। वे कहीं अधिक समय ठहरते नहीं दिखते । उनके लिए तो चरैवेति-चरैवेति ही जीवन-सत्य है। वे अविराम चलते रहना उनकी नियति है। अपने व्यवहार और संदेश से श्रीकृष्ण विचार और कर्म की दुनिया को मथ कर क्रांति ले आने की चेष्टा करते हैं। उनके चिंतन का मूल धर्म है जिसका आग्रह जीवन की रक्षा और सवर्धन है। उनके लिए धर्म स्थिर या ठहरा हुआ नियम नहीं है क्योंकि जीवन स्थिर नहीं है।

धर्ममूलक चेतना गतिशील होती है और प्राणवान सत्ता के रूप में समय से संवाद करती है। ऐसे धर्म के विचार का विस्तार करते हुए श्रीकृष्ण अपने नेतृत्व में संस्कृति की स्थापना के लिए नवाचारी उन्मेष का प्रतिमान उपस्थित करते हैं। उनमें ऐश्वर्य, धर्म, यश, श्री, वैराग्य और मोक्ष आदि विशिष्ट गुणों का समन्वय है। इसीलिए श्रीकृष्ण पूर्णावतार और स्वयं भगवान के रूप में मान्य हैं। उनका जन्म और कर्म दोनों ही दिव्य हैं। तभी वे सारी सृष्टि की जीवंतता और उसकी लय के अधिष्ठाता बने। पुरुषार्थी श्रीकृष्ण भोगी, विरागी, ज्ञानी और योगी हर रूप में अपने आलोक से लोक को प्रकाशित करते हैं। यदि वे आकाश के देवता इंद्र की जगह धरती के देवता गिरिराज की प्रतिष्ठा करते हैं तो युधिष्ठिर के यज्ञ में अतिथियों के पैर धुलाने और जूठी पत्तल बटोरने तक का काम भी बड़े प्रेम और स्नेह के साथ करते हैं। उनका पूरा जीवन ही भिन्न-भिन्न प्रकार के निजी और सामाजिक के सुखों-दुखों के बीच समत्व लाने की अंतहीन कहानी है। भगवद्गीता का राज-योगी, भक्त, ज्ञानी और कर्म-योगी का प्रतिमान ढूँढने चलिए तो कसौटी पर खरा उतरने वाला चरित्र कृष्ण का ही मिलता है। वे सिर्फ़ सिद्धांत प्रतिपादन ही नहीं करते और न उपदेश मात्र करते हैं वरन वे उसे स्वयं जीते भी हैं। ऐसे ही समत्व योग को भी कुशलतापूर्वक व्यवहार में उतारते हैं। वे स्थितप्रज्ञ जैसी अवस्था के स्वयं अचूक उदाहरण हैं। अपनी अद्भुत लोकोपकारी लीलाओं, प्रिय जनों के प्रेम में पगे श्रीकृष्ण की मुरली की रस वर्षा सबको भिंगो देने वाली है। सांवले , सलोने और असाधारण रूप लावण्य वाले श्रीकृष्ण भागवत धर्म के ऐसे मधुर उपदेष्टा हैं जिनकी छवि नयनपथ में आ जाए तो उसके आगे स्वर्गादि सुख सभी फीके पड़ जाते हैं। उनके भक्त को मोक्ष पाने की भी इच्छा नहीं होती वह सदा भक्त ही रहना चाहता है। श्रीकृष्ण श्रेष्ठ की मानवीय परिकल्पना के उत्कर्ष हैं। वे ज्ञान, कर्म और भक्ति के समन्वय नारायण हैं। योगीश्वर के रूप में जीवनमुक्त हैं अर्थात मुक्त हो कर जीवन जीने वाले हैं। तभी वह निर्लिप्त, जितेंद्रिय और परम ज्ञानी के रूप में गीता का गान कर सके हैं । वे जाने कितनों से किन-किन परिस्थितियों में जुड़े पर निस्संग भाव से। श्रीकृष्ण अपनी दिव्य प्रकृति को स्पष्ट करते हुए गीता में कहते हैं कि यद्यपि मैं अजन्मा (अनादि) और अविनाशी (अनंत) आत्मा और सभी प्राणियों का ईश्वर हूँ, फिर भी मैं अपनी प्रकृति को वश में कर के अपनी ही शक्ति से जन्म ग्रहण करता हूँ । श्रीकृष्ण के आख्यान और अनेकानेक घटनाएँ भारतीय लोक-मानस में निरंतर गूंजती आ रही हैं। यशोदानंदन, गोपाल, हरि, गोविंद, गिरिधर, राधावर, गोपीजनवल्लभ, बंशीधर, सुदर्शनधारी, पार्थसारथी आदि के विभिन्न रूपों में की गयी कृष्ण की प्रत्येक लीला मन में कुछ इस तरह बैठी है कि वह अलौकिक लगती ही नहीं। श्रीकृष्ण असाधारण हैं क्योंकि वह सबके लिए सुलभ हैं । एक ओर जीवात्मा के रूप में वे सब में विद्यमान है तो दूसरी ओर परमात्मा के रूप में सर्वव्यापी है। वह सूक्ष्म भी हैं और विराट भी । सूक्ष्म शरीरी रूप का प्रकृति के गुणों के साथ बंध कर कर्ता होने के अहंकार की ओर ले जाता है और तब क्लेशों और दुखों का अम्बार लगाने लगता है। इस संकुचित आत्मबोध से उबरने के लिए श्रीकृष्ण गीता में अभ्यास और वैराग्य (अनासक्ति) की दिशा में आगे बढ़ने को कहते हैं ।

मनुष्य अपनी शारीरिक और बौद्धिक सीमाओं का अतिक्रमण करना चाहता है और यदा कदा करता भी है। श्रीकृष्ण अपने अहं का विसर्जन करते हैं पर एकाग्र संलग्नता वाले मन की उत्कट उछाल के साथ स्वयं अपना अतिक्रमण करते रहते हैं । श्रीकृष्ण तत्व विलक्षण त्वरा के साथ लोभ, मोह, ईर्ष्या, भय की सारी सीमाओं को तोड़ता-फलांगता सबसे मुक्त करता है। श्रीकृष्ण के माता-पिता, घर-बार, प्रेमी (भक्त) हर कहीं साझेदारी है। कृष्ण सबके हैं पर उनको एकल सत्ता का प्रभुत्व प्रिय नहीं है। वे निरंतर अपबा सब कुछ लुटाते हुए दूसरे को अपना बनाने, अन्य को अनन्य बनाने पर जोर देते हैं। एक से अनेक की ओर अग्रसर कृष्ण हर पराए, दीन, दुखी और त्रस्त प्राणी को सुखी देखना चाहते हैं। आखिर पूर्णता तभी आ सकेगी जब हम अंदर से खाली हों और सबको समा सकने की इच्छा हो। श्रीकृष्ण अपने आचरण द्वारा दया, दान, दक्षता, विद्या, वीरता, साहस, विनय, क्षमा, धैर्य, संतोष, मैत्री, निरहंकारिता और परदुःखकातरता जैसे मानवीय गुणों का प्रतिमान स्थापित करते हैं। लोक-पुरुष के रूप में श्रीकृष्ण ने आततायियों के ढाए अपमान, राज-मद, दर्प, मिथ्यारोप और अहंकार का दृढता से प्रतिषेध किया और नए युग का सूत्रपात किया । उनका यह रूप आज के कठिन कंटकाकीर्ण हो रहे समय में भी मनुष्यता का मार्ग प्रशस्त करता है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

राहुल गांधी के बयानों से लेकर जेएनयू तक एक टूलकिट

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

ये विषय देश की आंतरिक सुरक्षा, सद्भाव और परस्पर समरसता से जुड़ा है। अभी लगातार दो तरह की घटनाएं घटती दिख रही हैं, एक तरफ राहुल गांधी स्वयं से नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं तो दूसरी ओर जेएनयू जैसे शिक्षा संस्थान और स्वयंसेवी संस्थाएं हैं जिन्हें टूलकिट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। उद्देश्य दोनों का समान है, भारत में अराजकता का माहौल पैदा करना। वर्तमान केंद्र सरकार के खिलाफ अविश्वास की भावना आम जन में भर देना ताकि किसी भी तरह से देश में दंगे-फसाद कराए जा सकें और फिर किसी तरह से वर्तमान नेतृत्व को सत्ता से बाहर कर सत्ता हथियाई जा सके। वैसे देश की एकता, अखंडता एवं समरसता के लिए पहले भी न्यायालय कई विषयों पर आगे से स्वतः संज्ञान लेकर हस्तक्षेप करता रहा है। इस मुद्दे पर भी माननीय न्यायालय से आग्रह है कि वह आगे आएं।

देश में घटनाएं कैसे घट रही हैं, आप देखिए; पहले, राहुल गांधी का एक वीडियो सामने आता है, इसे उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में संविधान सम्मान सम्मेलन का बताया जा रहा है। इस सम्मेलन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मिस इंडिया कॉन्टेस्ट को लेकर यह दावा करते नजर आ रहे हैं कि देश में नब्बे प्रतिशत लोग सिस्टम का हिस्सा नहीं हैं, कह रहे हैं, मैं तो मिस इंडिया की लिस्ट देख रहा था, उसमें कोई दलित-ओबीसी-आदिवासी, अल्पसंख्यक ही नहीं है। उनके पास हर तरह की प्रतिभा मौजूद है, लेकिन फिर भी वे सिस्टम से जुड़े नहीं हैं। यही कारण है कि हम जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं। उनका ये बयान सामने आने के बाद मीडिया ने भी इसे तेजी के साथ आगे बढ़ाया। स्वभाविक है, जो आंकड़ों में नहीं जाते, अध्ययन करने पर कम, अपने नेता या वरिष्ठ के कहे पर विश्वास अधिक करते हैं। जो साक्षर हैं किंतु शिक्षित नहीं, वस्तुतः देश में ऐसे करोड़ों लोग हैं। अब ऐसे में राहुल गांधी का दिया ये बयान उन्हें सही नजर आ सकता है! स्वभाविक तौर पर उनके मन में आक्रोश भी पनप सकता है कि बताओ, स्वाधीनता के 77 वर्ष बाद भी देश में अनुसूचित जाति-जनजाति, ओबीसी और अल्पसंख्यकों को उनका अधिकार क्यों नहीं दिया गया है, बल्कि अभी पर कुछ चुनिंदा अपने में तथाकथित बड़ी जातियों ने कब्जा करके रखा है! किंतु क्या राहुल गांधी यहां जो कह रहे हैं वह सच है? माननीय न्यायालय आप जानते हैं कि राहुल गांधी यहां झूठ बोल रहे हैं। देश में सिर्फ मिस इंडिया ही नहीं अनेक प्रमुख प्रतिष्ठित स्थानों पर अजा, जनजा, अल्पसंख्यक लोग विराजमान रहे हैं और वर्तमान में भी हैं। इस संदर्भ में अनेक तथ्य मौजूद हैं, जैसे कि भारतीय जनता पार्टी नेता तजिंदर पाल सिंह बग्गा ने स्वाधीनता के बाद से अब तक उन महिलाओं की सूची साझा की है, जिन्होंने 'मिस इंडिया' का क्राउन पहना है। इस लिस्ट को जारी करते हुए तजिंदर बग्गा ने एक्स पर लिखा भी कि इस देश में मिस इंडिया कॉन्टेस्ट 1947 में शुरू हुई, उसमें अल्पसंख्यक समाज की कई बहनें विजेता बनी। उन्होंने जो लिस्ट साझा करते हुए एस्टर विक्टोरिया अब्राहम, इंद्रानी रहमान, फेरिअल करीम से लेकर नायरा मिर्जा, अंजुम मुमताज, फरजारा हबीब, सोनू वालिया, गुल पनाग, साराह जेन डायस, नवनीत कौर ढिल्लन तक के नामों का उल्लेख किया है।

वस्तुतः लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इतना कहने के बाद भी चुप नहीं रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार पर बड़े आरोप लगा दिए। इसी संविधान सम्मान सम्मेलन कार्यक्रम में बोलते दिखे कि संविधान की रक्षा, दलित, आदिवासी, ओबीसी करते हैं। यहां प्रश्न यह है कि क्या अन्य जन जो इस सूची से बाहर हैं, वह संविधान की रक्षा नहीं करते? फिर उनका यहां यह कहना कि देश के उद्योगपति में कोई दलित आदिवासी नहीं, मोची, धोबी और बढ़ई के हाथों में जबरदस्त स्किल है, पर देश में हुनर की इज्जत नहीं है, कितना सही है? आगे वे कहते दिखे, स्किल डेवेलमेंट की शुरुआत यूपीए ने की थी किंतु 90 प्रतिशत लोग सिस्टम से बाहर बैठे हैं। पीएम मोदी राजा-महाराजा वाला मॉडल चाहते हैं।

अब माननीय न्यायालय आप देखिए, यह संविधान बचाने के नाम पर देश को किस-किस तरह से आपस में यहां के जनसमुदायों को जाति के आधार पर भिड़ाने की कोशिश की जा रहे हैं! जबकि हकीकत यही है कि देश में अनेक उद्योगपति हैं, जोकि अजा, जनजा, पिछड़ावर्ग से आते हैं और वे अपने व्यवसाय में पूरी तरह से सफल हैं। यहां भी राहुल का इस संबंध में किया दावा गलत ठहरता है। इस वक्त राहुल गांधी जिस तरह से आबादी के हिसाब से नीतियां बनाने की बात कह रहे हैं, हम सभी जानते हैं कि वह साम्यवाद का वामपंथी मॉडल है, जो कहता है कि सभी को उनकी जनसंख्या के हिसाब से लाभ मिले।

दरअसल, सुनने में यह बहुत अच्छा लगता है। किंतु इस मॉडल के अनेक खतरे हैं। पूरी दुनिया इस मॉडल को रिजेक्ट कर चुकी है, यहां तक कि जहां से वामपंथ शुरू हुआ था, वह देश विएतनाम, चीन, जर्मनी, रूस या अन्य कोई देश क्यों न हो। सभी का अनुभव इस मामले में एक जैसा ही है कि यह नीति अपने देश की बहुजनसंख्या को निकम्मा बना देने का काम करती है। अब इस सिद्धांत से चलेंगे तो जो काम करेगा उसे भी उतना ही भाग मिलेगा जितना कि बगैर काम करनेवाले को। ऐसे में योग्य लोगों की जब प्रतिभा का ह्रास होता दिखेगा तो फिर कौन काम करना चाहेगा? समाज की व्यवस्था अपने आप डगमगा जाएगी। समाज की श्रम और क्रय शक्ति कमजोर होगी तो स्वभाविक है कि देश कमजोर हो जाएगा।

अभी ये घटना घटी ही थी कि एक दूसरी घटना का वीडियो सामने आया, अबकी बार ये जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) से बाहर आया था, जिसमें कि जेएनयू के अंदर 'आजादी-आजादी' वाले फिर गूंजे हैं। यहां प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कथित तौर पर 'हिंदू राष्ट्र से आजादी और रामराज्य से आजादी' के नारे लगाए हैं। यहां लगे नारों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जेएनयू ईकाई के अध्यक्ष राजेश्वर कांत दुबे ने इसके संबंध में खुलकर बताया भी है कि कैसे कुछ वामपंथी अपना प्रोटेस्ट करते हैं और उसमें स्टूडेंट के हित को लेकर के नारे नहीं लगाते, बल्कि सनातन हिंदू धर्म के खिलाफ ये नारे लगाते हैं। राजेश्वर कांत दुबे बताते हैं कि 'जेएनयू में छात्रों की मांगों को लेकर प्रदर्शन कई दिनों से चल रहा था। इसी के तहत कुछ वामपंथी और कांग्रेसियों ने एमओई तक मार्च निकाला। इसमें छात्रों की मांगों को लेकर नारेबाजी नहीं हुई, बल्कि उसमें सनातन हिंदू धर्म के विरोध में नारे लगे। उसमें भारत के खिलाफ भी नारे लगाए गए हैं।'

अब माननीय न्यायालय आप ही देखें, भारत में कौन सा हिंदू राष्ट्र बन रहा है और कौन सा राम राज्य आ गया जो यह नारे लगाकर एक बहुसंख्यक समाज को विचलित कर देने का प्रयास किया जा रहा है! इसके पीछे के लोगों की आप पड़ताल करेंगे तो मालूम हो जाएगा कि इनके और राहुल गांधी के अंतरंग संबंध कितने गहरे हैं! वास्तव में लगातार जहर उगल रहे राहुल गांधी बहुसंख्यक हिंदू समाज को कई टुकड़ों में विभाजित कर देने के षड्यंत्र में रचे-बसे नजर आ रहे हैं। जोकि नेता प्रतिपक्ष होने के नाते अति गंभीर मामला है, जिस पर कि अतिशीघ्र रोक लगना जरूरी है। यहां यह भी ध्यान रखने की आवश्यकता है कि विरोध का मतलब यह कदापि नहीं हो सकता कि देश को कमजोर किया जा सके, वह कोई भी हो, एक जिम्मेदार पद पर बैठकर देश को कमजोर करने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती है। माननीय न्यायालय अब आपसे ही आस है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

देश में असामाजिक तत्वों द्वारा राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के साथ मोदी सरकार की छवि धूमिल करने का कर रहे है प्रयासः मदन राठौड

पाली के सुमेरपुर जवाई बांध रेलवे स्टेशन के नजदीक पटरियों पर सीमेंट कंकरीट ब्लॉक रखने का मामला

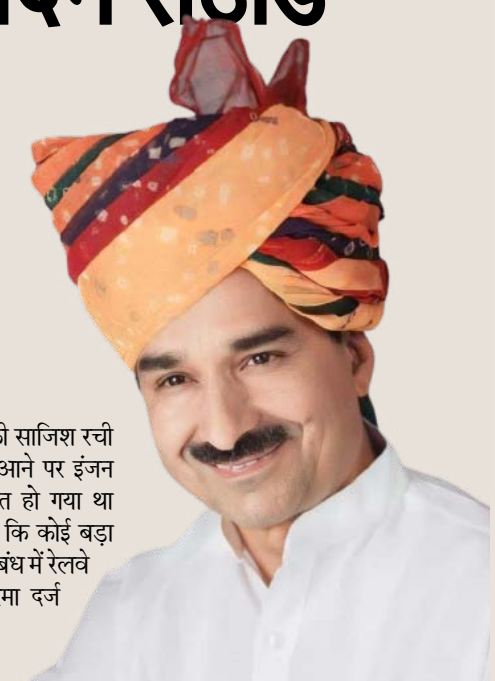

चमकता राजस्थान

जयपुर, 26 अगस्त 2024। राज्यसभा सांसद एवं राजस्थान भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने भारत की स्पीड ट्रेन वंदे भारत को बेपटरी कर हादसे को अंजाम देने के प्रयास करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। राठौड ने जोधपुर और अजमेर रेल मंडल के आला अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ताकर ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराकर जांच करने के निर्देश दिए है वहीं रेलवे पटरियों की सुरक्षा को चाक चौबंद करने के पुख्ता इंतजाम करने के लिए भी निर्देशित किया। राज्यसभा सांसद एवं राजस्थान भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि देश में कुछ ऐसे असामाजिक तत्व है जो राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के साथ ही केंद्र की मोदी सरकार की छवि को धूमिल करने का षडयंत्र रच रहे है। इतना ही नहीं, इन असामाजिक तत्वों द्वारा जानमाल की हानि का भी प्रयास किया गया। लेकिन रेलवे के सजग कर्मचारियों की बदौलत बड़ा हादसा टल गया। ऐसे में इन कर्मचारियों की सजगता पर राठौड़ ने प्रशंसा करते हुए रेलवे विभाग द्वारा सम्मानित करवाने की भी सिफारिश की, वहीं दूसरी ओर रेलवे ट्रेक की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले कार्मिकों की लापरवाही पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए भी निर्देश दिए। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि गत सप्ताह पाली के सुमेरपुर जवाई बांध रेलवे स्टेशन के नजदीक अहमदाबाद से आने वाली वंदे भारत ट्रेन के समय कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा रेलवे लाइन पर सीमेंट कंकरीट के ब्लॉक रख बड़े हादसे की साजिश रची थी। वंदे भारत ट्रेन के आने पर इंजन इससे टकराकर क्षतिग्रस्त हो गया था लेकिन गनीमत यह रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इस संबंध में रेलवे अधिकारियों द्वारा मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

गम्भीर नदी में डूबे युवक का 16 घंटे बाद शव मिला

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। बयाना सदर थाना इलाके के गांव कलसाड़ा में रविवार शाम गम्भीर नदी में डूबे 35 वर्षिय युवक कलसाड़ा निवासी राजेश पुत्र अतरसिंह जाटव का शव आज सुवह नदी में बहते हुए मिल गया। बीती रात अंधेरा हो जाने के बाद एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन को रोक दिया था लेकिन सोमवार सुबह मोरोली और जसपुरा के बीच ग्रामीणों ने नदी के बहाव में शब को बहता देख एसडीआरएफ की टीम को सूचना दी। ग्रामीणों की सूचना के बाद ने कलसाड़ा से मोरोली पहुँची टीम शव को रेस्कयू कर कलसाडा गांव लेकर पहुची। गौरतलब है कि मृतक अपने दो दोस्तों के साथ रविवार शाम को पार्टी करने रीजवास जाने वाली गंभीर नदी की पुलिया पर गया था। पार्टी करने के बाद तीनों दोस्तों ने नदी में नहाने का मन बनाया और पानी के अंदर उतर गए तभी अचानक राजेश जाटव गहरे पानी में डूब गया जिससे उसकी मौत हो गई।

भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मंदिर में अमर रहे श्रद्धालु

चमकता राजस्थान। वैर (राजवीर सिंह)। भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर्व पर धार्मिक स्थलों पर सुबह से ही संत श्रद्धालुओं की नजर आई। ये उपवास रख कर दान करते नजर आए और विश्वशांति, मानव और परिवार कल्याण की कामनाएं की भरतपुर शहर के किला के अंदर स्थित श्री बांके बिहारी जी मंदिर पर उद्योगपति जैसा अग्रवाल एवं महिला उद्योगपति निशा अग्रवाल सहित भारी संख्या में भक्तो ने श्री बांके बिहारी कृष्णा जी की पूजा अर्चना की। भरतपुर के महाराज एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने श्रीबांके बिहारी महाराज जी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। बांके बिहारी जी मंदिर पर गौरव बंसल छोटू राहुल बंसल पार्षद पंकज गोयल आदि ने पूजा अर्चना की।

ग्राम पंचायत छोटा लांबा में आकाशीय बिजली गिरने से एक आवासीय मकान गिरा

चमकता राजस्थान /रघुनंदन पारीक /श्रीनगर/अराई। ग्राम पंचायत छोटा लांबा में आकाशीय बिजली कन्हैया लाल तिवारी के कच्चे मकान पर गिरी ,आकाशीय बिजली गिरने से आवासीय कच्चा मकान विद्युत पोल पर जा गिरा व विद्युत पोल पड़ोस में रहने वाले शिवनाथ सिंह राजपूत के मकान पर गिर गया जिससे पक्के मकान में दरारें आ गईं व रेलिंग को नुकसान पहुंचा ,छोटे पेड़ पौधे व टाइल्स दीवार के मलबे में दब गए,गनीमत रही की कोई जनहानि नहीं हुई,विद्युत पोल के गिरने के समय चार सदस्य घर में मौजूद थे।

सरमथुरा उपखंड के पार्वती डैम के खोले 6 गेटो से पानी निकासी

- **पुरुषों की अपेक्षा, महिला भी जान की बाजी लगाकर सेल्फी लेने में पीछे नहीं**
- **नहीं है! इस ओर पुलिस प्रशासन का कोई ध्यान**

चमकता राजस्थान। धौलपुर (रामदास तरुण)। आज पार्वती बांध के 10 गेट खोले गए, 12:00 के लगभग चार गेट बंद कर दिए गए, 6 गेटों से पानी की निकासी 17060. 30 क्यूसेक निकासी हो रही थी! इसी बीच आंगई बांध पर गेटों को देखने के लिए महिला/ पुरुषों का ताता लगा हुआ है! पुरुषों की अपेक्षा, महिला भी जानकी बाजी लगाते हुए, सेल्फी लेने में पीछे नहीं, गेटों के द्वारा निकासी हो रहे पानी के बहाव में थोड़ी सी चूक होने पर पता भी नहीं लगेगा कि कहां गई, महिला मैं जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी टी, पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा, को ध्यान दिलाना चाहता हूं, कि इस गेटों के निकलते हुए पानी मैं खड़े होकर या बैठकर सेल्फी लेने से रोका जाए! शासन प्रशासन ऐसे और ध्यान दें! क्षेत्र का जायजा लेते हुए, पार्वती बांध का जायजा लेने पहुंचे, बसेड़ी विधायक संजय कुमार जाटव, विधायक ने नजरा देखा के पुरुषों की अपेक्षा महिला भी जानकी बाजी लगा कर सेल्फी ले रही थी! उन्होंने भी इस ओर देखा तो बहुत विचलित हुए, और उन्होंने भी यही कहा कि मैं भी एसपी साहब से कहूंगा! पानी में उतरकर सेल्फी लेते हुए महिला पुरुषों को रोका जाए!

बाडी विशिनिगिर बाबा का लक्की मेला आज से हुआ शुरू

सांसद भजनलाल जाटव द्वारा पूजा अर्चना, के बाद फीता काट किया उद्घाटन

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण)। आज जिला धौलपुर के बाड़ी क्षेत्र में लगने वाले मेला सिद्ध धाम विशिनिगिरि बाबा के मंदिर पर मेला का करौली /धौलपुर सांसद भजनलाल जाटव एवं बसेड़ी विधायक संजय कुमार जाटव के द्वारा पूजा अर्चना कर फीता काट कर मेले का उद्घाटन किया! इस उद्घाटन के मौके पर पांच गांवों के ट्रस्ट के लोगों के बीच में बाबा के मेले का शुभारंभ हुआ! इसी बीच ट्रस्ट के गणमान्य लोगों के द्वारा आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि करौली /धौलपुर सांसद भजनलाल जाटव, बसेड़ी विधायक संजय कुमार जाटव, उपखंड अधिकारी राधेश्याम मीणा, किशन सिंह मीणा जिला अध्यक्ष धौलपुर आदि मंच पर विराजमान अतिथियों को फेटा एवं पुष्पमाला पहनकर जोरदार स्वागत सम्मान किया! इस कार्यक्रम के मौके पर बसेड़ी विधायक संजय कुमार जाटव द्वारा बाबा की परिक्रमा मार्ग के लिए 10 लाख रुपए की घोषणा की विशिनिगिरि बाबा सिद्ध धाम पर पूरे भारतवर्ष से दुखिया आते हैं! जिनका इलाज कहीं नहीं होता है! उनका इलाज बाबा के स्थान पर दर्शन करने एवं भभूति लगाने से होता है!असाध्य रोग ठीक हो जाते हैं! जैसे फोड़ा, फुंसी, गला घोटू,अंद घमीरी, कैंसर जैसे रोगों का इलाज बाबा के स्थान पर भभूति लगाने से ठीक हो जाते हैं! बाबा के स्थान पर प्रत्येक दिन हजारों की संख्या में रोगी आते -जाते रहते हैं! ट्रस्ट के द्वारा रोगियों के लिए भोजन, चाय, नाश्ता, सोने के लिए बिस्तर निःशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं! बाबा की देख रेख का जुम्मा कई गांवों के पच पटेलन ले रखा है, उमरेह, कोयला, सुनीपुर सागौर, काकरई, अमरुपुरा, नकसौदा आदि, गांव के गणमान्य व्यक्तियों के द्वारा मंदिर एवं दर्शनार्थियों की देख रेख की जाती है, ट्रस्ट के अध्यक्ष राम खिलाड़ी मीणा उमरेह के द्वारा दी गई!

3 दिवसीय मेले की आज से हुई शुरुआत, विशिनिगिरी मेले को लेकर प्रशासन अलर्ट

» मेंला स्थल पर वाहनों के पहुंचने लिए अलग – अलग मार्गो की, की गई है, व्यवस्था, मुख्य रास्ता गड़रपुरा होते हुए है! वाहनों से पहुंचा जा सकता है! मेला स्थल पर कांकरई पर होकर निकाला जायेगा बड़ा वाहन रामसागर मार्ग से होकर जाने वाले चारपहिया वाहनों को रोका जाएगा विधुत स्टेशन पर और दो पहिया वाहनों को रोका जाएगा अमरूपुरा पर लगभग 150 पुलिस के अधिकारी कर्मचारी रहेंगे तैनात सदर थाना प्रभारी विनोद कुमार ने दी जानकारी! इस कार्यक्रम के मौके पर हरिसिंह पूर्व सरपंच, पतीराम, सुरेंद्रसिंह, शिवचरण, विजेंद्रसिंह सरपंच प्रतिनिधि, रामकेश मीणा सरपंच प्रतिनिधि नकसौदा, राधेलाल, कजोरी, दूल्हे राम, राजाराम, टेलसिंह , जनकसिंह पूर्व सरपंच, हरिचरण, मोतीलाल रघुवीर सिंह ठेकेदार, कल्याण सिंह मीणा महामंत्री, भारत लाल पूर्व सरपंच, आदि लोग मौजूद रहे।

राजाखेड़ा में धूमधाम से मनाया गया श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। जिला धौलपुर के राजाखेड़ा उपखण्ड में नन्हे मुन्ने बच्चों को सजाया बाल श्रीकृष्ण रूप में, आदर्श विद्या मंदिर में प्रतियोगिता का हुआ आयोजन, राजाखेड़ा कस्बे में विद्या भारती संस्थान द्वारा संचालित माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्पार्चन करके पूजा अर्चना की गई। जिसमें नन्हे मुन्ने बच्चों के अभिभावक उनको बालकृष्ण, मदनमोहन, राधा कृष्ण, कृष्ण बलदाऊ, के रूप में सजाकर लाए सभी बच्चों ने अपनी सुंदर झांकियों की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मनमोह लिया झाकियों को देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। और सुंदर झाँकीयों को अब्बल आने पर विधालय के प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार शर्मा, व्यवस्थापक अनूप गुप्ता के द्वारा स्मृति चिन्ह देकर पुरुस्कृत किया गया। विधालय के प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया की हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जन्माष्टमी महोत्सव प्रतियोगिता का आयोजन किया! इस पर्व पर इस प्रतियोगिता का आयोजन लगभग 15 वर्षों से किया जा रहा है। हमें अपनी संस्कृति के प्रति सजग रहकर सभी पर्वों को श्रद्धा के साथ मानना चाहिए। इस दौरान प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार शर्मा, व्यवस्थापक अनूप गुप्ता, अध्यापक अर्जुन सिंह, रघुवीर राणा, रामबृज शर्मा,ललित शर्मा, विजेंद्र सिंह, अभय दीक्षित, राहुल कुमार, रागिनी, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बाड़ी कृष्णा कालोनी संत नगर रोड़ वासियों ने लगाया श्रद्धालुओं के शरबत एवं पानी पिआऊ

चमकता राजस्थान। धौलपुर (रामदास तरुण)। बाड़ी उपखंड के समीप लगने वाले विश्व विख्यात डाक्टरों के डाक्टर बिशिनिगिरि बाबा के मेला में दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के ठंडा शीतल पेय जल एवं अल्पाहार की व्यवस्था की गई है! जिसका शुभारंभ नगर पालिका बाड़ी के पार्षद सुरजीत सिंह गुर्जर, पार्षद प्रतिनिधि राजन मीणा, नगर पालिका डीईओ तपेश बिधूडी ने बाबा बिशिनिगिरि के नाम से पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया! इस दौरान पार्षद सुरजीत सिंह गुर्जर, पार्षद प्रतिनिधि राजन मीणा नगर पालिका डीईओ तपेश बिधूडी, बीएल रावत, रमेशचंद्र, हरीचरन मीणा, सतीश कुमार सहित अन्य स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

दीया कुमारी ने लिया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग

चमकता राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज जयपुर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 'समरस भारत सेवा संस्थान' द्वारा आयोजित भव्य महोत्सव में भाग लिया ।

इस अवसर पर उन्होंने दह-हिांडी प्रतियोगिता और मलखम खेल के प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दीं।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निम्बाराम, विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ प्रचारक जुगल, कुटुंब प्रबोधन के प्रमुख संजीव भार्गव,पूर्व राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, सिविल लाइन्स भाजपा विधायक गोपाल शर्मा,जिला प्रमुख रमा चौपड़ा,पूर्व सांसद रामचरण बोहरा,राजस्थान क्रीड़ा भारती के क्षेत्र संयोजक मेघ सिंह एवं कार्यक्रम संयोजक धनंजय सिंह सहित प्रतिभागी और भक्तगण उपस्थित रहे।

खेल सप्ताह के पहले दिन प्रभात फेरी में रही आमजन की भी भागीदारी, मीना और खेताराम ने जीती मिनी मैराथन रेस

भगत सिंह क्लब ने बालक वर्ग और सावित्री भाई क्लब ने जीता बालिका वर्ग का खिताब

चमकता राजस्थान

जयपुर, 26 अगस्त, 2024। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् द्वारा पहली बार प्रदेश भर में मेजर ध्यानचन्द की जयंति पर एक सप्ताह तक विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को खेल सप्ताह की शुरूआत हुई। पहले दिन प्रभात फेरी के आयोजन हुए। सवाई मानसिंह स्टेडियम और चौगान स्टेडियम सहित सभी जिलों में खिलाड़ियों द्वारा प्रातः प्रभात फेरी निकाली गई।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् के सचिव श्री सोहन राम चौधरी ने बताया कि 26 से 31 अगस्त तक आयोजित खेल सप्ताह में सवाई मानसिंह स्टेडियम में प्रातः लगभग 100 बालक/बालिका खिलाड़ियों ने मिनी मैराथन में भाग लिया। महिला की 3 किलोमीटर दौड में मीना ने जीता खिताब जबकि पायल व नेहा ने क्रमश दूसरा व तीसरा स्थान हासिल किया। पुरूष वर्ग में 5 किलोमीटर रेस में खेताराम चैम्पियन बने। जबकि कानाराम ने दूसरा और मोहित ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

बालक वर्ग की मैराथन पूर्व खेल अधिकारी श्री पोकरमल और बालिका वर्ग में पूर्व खेल अधिकारी श्रीमती उर्मिला पोकर ने हरी झंडी दिखाकर शुरू करवाई।

उन्होंने बताया कि इस अवसर पर प्रभात फेरी का भी आयोजन किया गया। प्रभात फेरी एस.एम.एस स्टेडियम से शुरू होकर विधानसभा, ग्रेटर नगर निगम, टोंक रोड, रामबाग सर्किल और अंबेडकर सर्किल से होते हुए वापस सवाई मानसिंह स्टेडियम में समाप्त हुई।

श्री सोहन राम चौधरी ने बताया कि इसी प्रकार चौगान स्टेडियम में भी प्रभात फेरी निकाली गई। यह प्रभात फेरी चौगान स्टेडियम से लंगर के बालाजी, गणगौरी बाजार से होती हुई वापस चौगान स्टेडियम पहुची। इसमें ताईक्वाडों मोहम्मद साबिर, खो-खो के महेश कुमार महावर, बॉक्सिग के कृष्ण कुमार, वुशू के देवराज सिंह, शुटिगबॉल के अभिषेक शर्मा और बॉल बैडमिन्टन कोच लक्ष्मीकांत शर्मा के साथ खेल प्रशंसक व आमजन ने शामिल थे।

उन्होंने बताया कि इस मौके पर सितोलिया प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें बालक वर्ग में 8 और बालिका वर्ग में 7 टीमों ने भाग लिया। बालक वर्ग में भगत सिंह क्लब ने महात्मा गाधी क्लब को हराकर खिताब जीता। बालिका वर्ग में सावित्री भाई क्लब ने सरोजनी नायडू क्लब को हराकर चैम्पियन बनी। सभी खिलाड़ियों अल्पाहार भी वितरित किये गये।

उन्होंने बताया कि जयपुर के साथ ही पूरे प्रदेश में राष्ट्रीय खेल दिवस सप्ताह के दौरान खेल गतिविधियां आयोजित कि जा रही है। मंगलवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में वॉकरेस और बास्केटबॉल की स्पर्द्धाऐ आयोजित की जायेगी।

संक्षिप्त समाचार

राजधानी जयुपर में पुरानी जर्जर इमारत गिरी, मलबे में दबने से एक व्यक्ति की मौत

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। कोतवाली थाना इलाके में स्थित चांदपोल बाजार एरिया में पुरानी इमारत तोप खाना में रविवार सोमवार की मध्यरात्रि डेढ़ बजे एक पुरानी जर्जर इमारत गिर गई। इस हादसे में कमरे में सो रहा एक व्यक्ति मलबे में दब गया। सूचना मिलने पर सिविल डिफेंस की टीम सहित पुलिस मौके पर पहुंच कर मलबा हटाने का काम शुरू किया। टीम ने तीस मिनट की मशक्कत के बाद मलबे में दबे व्यक्ति को बाहर निकाल कर एसएमएस लेकर गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थानाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली की चांदपोल बाजार तोपखाना में बिल्डिग गिर गई है और इसमें कुछ लोगों के दबने की जानकारी है। इस पुलिस ने यह जानकारी डिफेंस को साझा की। इस पर पुलिस और सिविल डिफेंस टीम मौके पर पहुंच कर मलबा हटाने का काम शुरू किया। जहां टीम ने करीब तीस मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद मलबे में दबे मोहम्मद रहीस (51) को मलबे से बाहर निकाल कर 108 एम्बुलेंस की मदद से एसएमएस लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को मोर्चरी में रखवाया। जानकारी के अनुसार मृतक मोहम्मद रहीस इस मकान में अपने चार भाइयों के साथ रहता था। बिल्डिग का जो हिस्सा गिरा उस हिस्से में मोहम्मद रहीस अपनी पत्नी और बेटे के साथ रहता था। घटना से तीन दिन पहले ही उसकी पत्नी और बेटा अकोला (महाराष्ट्र) चले गए थे। मोहम्मद की पत्नी अकोला की हैं। पुलिस आकोला में मोहम्मद रहीस की पत्नी की जानकारी जुटा रहे हैं। इसके बाद उन्हें सूचना देकर जयपुर बुलाया जाएगा। मृतक की पत्नी और बेटे के आने के बाद पोस्टमार्टम किया जाएगा।

जन्माष्टमी पर राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने श्री कृष्ण की पूजा अर्चना की

चमकता राजस्थान। जयपुर/जोधपुर। (खलील कुरैशी) राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को जन्माष्टमी के अवसर पर जोधपुर स्थित श्री कन्हैया गोशाला पहुंचकर वहां भगवान श्री कृष्ण की विधिवत पूजा अर्चना की। उन्होंने बाद में गोशाला में गाय का पूजन कर नन्हे बछड़े का दुलार भी किया। उन्होंने गायों को हरा चारा भी खिलाया। गोशाला का अवलोकन करते हुए उन्होंने गौधन संरक्षण के साथ गो उत्पादों के प्रभावी विपणन की रणनीति पर कार्य करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कन्हैया गोशाला की व्यवस्थाओं, प्रबंधन और गौधन संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। राज्यपाल ने जोधपुर में डेयरी संयंत्र का भी अवलोकन किया। उन्होंने इस दौरान डेयरी के विभिन्न उत्पादों, दूध वितरण व्यवस्था और अन्य गतिविधियों के बारे में जानकारी लेते हुए पशुपालकों को सभी स्तरों पर लाभान्वित किए जाने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने वृक्षारोपण सहित गौशाला जाकर गौमाता की सेवा भी की।

पांचवें दिन भी हेड कॉस्टेबल के शव का नहीं हुआ पोस्टमार्टम, मोर्चरी के सामने धरने पर बैठे परिजन

सांसद बेनीवाल ने कहा... सरकार संवेदनहीन, एससी-एसटी को दूसरे नजरिए से देखती है

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)भांकरोटा थाने में तैनात हेड कॉन्स्टेबल बाबूलाल बैरवा के आत्महत्या प्रकरण में अब उनकी पत्नी मीना देवी ने आत्मदाह करने की चेतावनी दी है। मीना देवी अन्य परिजनों के साथ पिछले 5 दिन से एसएमएस अस्पताल की मॉर्च्युरी के बाहर धरने पर बैठी है। आज उन्होंने धरना स्थल पर ऐलान किया कि अगर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो वह धरना स्थल पर ही आत्मदाह करेगी। सोमवार को धरना स्थल पर सांसद व आरएलपी के संयोजक हनुमान बेनीवाल भी पहुंचे। हनुमान बेनीवाल ने कहा- सरकार संवेदनहीन है। सरकार इस वर्ग का शोषण करना चाहती है। बीजेपी की राजस्थान और दिल्ली की सरकार एससी-एसटी वर्ग को दूसरे नजरिए से देखती है। उन्होंने कहा- यह राजस्थान सरकार और जयपुर कमिश्नरेट की असफलता है कि पुलिसमृतक हेड कॉन्स्टेबल की पत्नी बोली. न्याय नहीं मिला तो आत्मदाह करूंगी,उनका पुलिस पर से भरोसा उठ जाए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को तुरंत इस मामले में संज्ञान लेकर परिजनों की मांगों को मनाना चाहिए।

● मृतक हेड कांस्टेबल की पत्नी ने कहा अगर न्याय नहीं मिला तो करुंगी आत्मदाह

● उप मुख्यमंत्री बैरवा समाज के वोटों से चुनाव जीतेः हनुमान बेनीवाल

हनुमान बेनीवाल ने कहा- मृतक बाबूलाल बैरवा ने अपने सुसाइड नोट में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए लिखा था कि मुझे और मेरे परिवार को आप न्याय दिलाना। इतनी स्पष्ट बात लिखने के बाद भी बैरवा समाज से आने वाले उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद वैरवा यहां नहीं आए। बेनीवाल ने कहा- प्रेमचंद बैरवा, बैरवा समाज और किसानों के वोटों से चुनाव जीते हैं। उनकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वे धरना स्थल आते और कहते कि यह बाबूलाल बैरवा के परिजनों की नहीं, मेरे परिवार की लड़ाई है। पिछले 5 दिनों से एक हेड कॉन्स्टेबल का शव यहां रखा हुआ है। लेकिन इनकी कोई सुनने वाला नहीं है।

● पुलिस चौकी में हैड कांस्टेबल ने लगा लिया था फंदा

दरअसल, मृतक हैड कांस्टेबल बाबूलाल बैरवा ने 22 अगस्त को भांकरोटा थाने की चौकी में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। सुसाइड नोट में उन्होने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगदीश व्यास, एसीपी अनिल शर्मा, निरीक्षक आशुतोष सिंह और स्थानीय पत्रकार कमल देगड़ा पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। घटना के बाद परिजनो ने पुलिसकर्मियों सहित पत्रकार की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शव लेने से इनकार कर दिया था। वहीं मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठ गए थे।

धार्मिक स्थल के बाहर पशु अवशेष मिलने के बाद तनाव

● भीलवाड़ा में डंडे के बल पर बाजार बंद करवाए

चमकता राजस्थान। भीलवाड़ा। धार्मिक स्थल के बाहर पशु अवशेष मिलने के बाद भीलवाड़ा शहर का माहौल गरमा गया। मामले को लेकर बवाल दूसरे दिन भी जारी रहा। सोमवार को भीड़ ने डंडे के बल पर बाजार बंद कराए। बाजार में पत्थरबाजी भी की गई। कुछ असामाजिक तत्वों ने एक शो शो रूम के शीशे तोड़ दिए। कुछ ही देर बाद कुछ युवकों की टोली ने गोल प्याऊ चौराहे पर हुड़दंग करने का प्रयास किया। इसके बाद परशुराम सर्किल पर लोग जुटे। यहां से कलेक्ट्रेट की ओर भीड़ बढ़ने लगी।उपद्रव कर रहे लोगों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को सोमवार को दो बार बल प्रयोग करना पड़ा। पुलिस की कार्रवाई के दौरान मची अफरा तफरी के बाद करीब 100 बाइक को आंदोलनकारी छोड़कर भाग गए। वहीं, पुलिस ने 3 दर्जन बाइक को जब्त भी किया। माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। पूरा इलाका छावनी में तब्दील कर दिया गया। पुलिस ने मामले में अब तक 8 लोगों को हिरासत में ले लिया।

● वॉट्सएप मैसेज से जुटी भीड़

सोमवार सुबह 10 बजे लोगों के वॉट्सएप पर मैसेज चला कि सुबह 11.30 बजे परशुराम सर्किल (घटना स्थल से 5 किमी दूर) जुटना है। यहां से कलेक्ट्री नजदीक है।। । पुलिस अलर्ट हो गई। सुबह 11 बजे से यहां बड़ी संख्या में लोग जुट गए और नारेबाजी करने लगे। दोपहर 12 बजे संत हंसाराम, शहर विधायक अशोक कोठारी, शहर सभापति राकेश पाठक, निंबार्क आश्रम के संत मोहन करण शास्त्री सहित कई लोग परशुराम सर्किल पहुंच गए। इसके बाद प्रदर्शनकारियों के एक दल को एसपी ने ऑफिस बुलाया और बात की। वहां पुलिस को दो दिन का अल्टीमेटम दिया गया।धार्मिक स्थल के बाहर अवशेष मिलने से हुआ था तनाव जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब साढ़े दस बजे कोतवाली थाना इलाके के भवानी नगर में स्थित धार्मिक स्थल के बाहर पशु अवशेष फेंककर माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया था। दोपहर करीब एक बजे गुस्साए लोग भवानी नगर चौराहे पर जुट गए। इस भीड़ में सांसद दामोदर अग्रवाल और संत महामंडलेश्वर हंसाराम भी शामिल हो गए थे। उन्होंने आरोपियों को गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। इसके बाद लोग धरने पर बैठ गए।

सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के 6 माननीय न्यायाधीश एक मंच पर हुए एकत्रित

पैसों से कभी सफलता नहीं मिलती हैं मन की आंतरिक खूशी एवं सकारात्मक प्रयासों से मिलती हैं सफलताः- संजीव खन्ना सुप्रीम कोर्ट जज

● संरक्षित बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास, सांकेतिक भाषा में राष्ट्रगान भी हुआ

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। पैसों से सफलता नहीं मिलती मन की आंतरिक खुशी व सकारात्मकता से सफलता मिलती यह बात सुप्रीम कोर्ट जज संजीव खन्ना ने बाल परामर्श एवं कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र में दक्षता अभिवृद्धि संवाद कार्यक्रम में कही।बाल अधिकारिता विभाग द्वारा मंडोर में संचालित बाल परामर्श एवं कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र में दक्षता अभिवृद्धि संवाद कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधिपति संजीव खन्ना, अध्यक्षता सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधिपति पंकज मित्तल एवं न्यायाधिपति संदीप मेहता ने कीकार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति चंद्रशेखर, न्यायाधिपति पंकज भंडारी एवं न्यायाधिपति मनोज कुमार गर्ग थे। बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए देंगे प्रशिक्षणराजस्थान उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के वरिष्ठ सलाहकार राकेश कुमार चौधरी ने बताया कि किशोर न्याय समिति राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व अध्यक्ष एवं सुप्रीम कोर्ट जज न्यायाधिपति संदीप मेहता के निर्देश से बाल परामर्श एवं कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ दो वर्ष पूर्व हुआ था। केन्द्र में देखभाल एवं संरक्षण की आवशयकता वाले बच्चों को सक्षम बनाकर समाज की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं। केंद्र केबच्चों की दक्षता में अभिवृद्धि केउद्देशय से यह संवाद कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथि न्यायाधिपतियों द्वारा वृक्षारोपण से किया गया। विभाग के सहायक निदेशक डॉ. बीएल सारस्वत ने सभी का अभिवादन किया।सिलाई कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया बालिका गृह एवं नारी निकेतन की आवासिनियों के साथ सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के छात्रावासों में निवासरत बालिकाओं के लिए सिलाई कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि न्यायाधिपतियों द्वारा रिबन काटकर किया गया।जियो और जीने दो संस्था द्वारा संपूर्ण सिलाई प्रशिक्षण एवं सिलाई मशीन रिपेयरिंग का साठ दिवसीय प्रशिक्षण प्रशिक्षित शिक्षिकाओं द्वारा करवाया जाएगा।

● बच्चों ने दी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

कार्यक्रम में राजकीय बालिका गृह एवं नेत्रहीन विकास संस्थान की दिव्यांग बच्चियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा समाजसेवी निरूपा पटवा, महावीर कांकरिया एवं माधो सिंह सांखला का सम्मान किया गया। सभी अतिथियों का आभार किशोर न्याय समिति राजस्थान उच्च न्यायालय के अध्यक्ष न्यायाधिपति मनोज कुमार गर्ग ने व्यक्त किया। कार्यक्रम समापन आचार्य हस्ती विशेष आवासीय विद्यालय जोधपुर के दिव्यांग बच्चों द्वारा सांकेतिक भाषा में राष्ट्रगान से हुआ। यह भी रहे मौजूद कार्यक्रम में किशोर न्याय समिति राजस्थान उच्च न्यायालय नोडल अधिकारी अमित कुमार गोयल, बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक डॉ बी एल सारस्वत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक मनमीत कौर, राजस्थान उच्च न्यायालय बाल सचिवालय एमआईएस असिस्टेंट कृष्णा वैष्णव, नारी निकेतन अधीक्षक रेखा शेखावत, परिवीक्षा अधिकारी रुक्मणी गढ़वाल, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष विक्रम सरगरा, सदस्य जय भाटी?, अधिकारी बन्ना लाल, गणपतलाल प्रजापत, दिनेश राजावत, दयाराम चौधरी, अर्जुन गहलोत, सुशीला बोहरा, दिनेश जोशी, भावना जोशी, सोमित्रों बैनर्जी योगेश लोहिया, रंजू बिश्नोई सहित अन्य उपस्थित थे।

जानें मेहंदी का पौधा उगाने के आसान टिप्स

बालों और हाथों पर मेंहदी लगाने का ट्रेंड भारत में सालों से चलता आ रहा है। एक समय पर मेंहदी की कीमत बहुत कम थी, लेकिन इन दिनों मेंहदी बहुत महंगी मिलती है। ऐसे में हम आपके लिए लेकर आए हैं घर पर ही मेंहदी का पौधा लगाने के कुछ टिप्स। आइए जानते हैं घर पर मेंहदी का पौधा कैसे लगा सकते हैं।

मेंहदी का पौधा कैसे लगाएं?

- मेहंदी का पौधा आप बीज से भी लगा सकते हैं और नर्सरी से भी खरीद सकते हैं। सबसे पहले मिट्टी लें और गमले में डालें। अब मेंहदी के पौधे के बीजों को गमले में डालकर ऊपर से और मिट्टी डाल दें।
- इसके बाद आपको गमले में पानी डालना है। चाहें तो नेचुरल खाद भी डाल सकते हैं। अब गमले को कुछ देर के लिए धूप की किरणों में रखें। कुछ दिनों के बाद आपको मेंहदी का पौधा बड़ा होता दिखेगा।

मेंहदी के पौधे के लिए बीज कहां से खरीदें?

- मेंहदी के पौधे के बीज आपको किसी भी नर्सरी में आसानी से मिल जाएंगे। आजकल पौधों के बीज के ऑनलाइन भी आसानी से घर बैठे आसानी से अमोजन जैसी वेबसाइट से मंगवा सकते हैं।

मेंहदी के पौधे के लिए खाद

- मेंहदी के पौधे के लिए हमेशा नेचुरल खाद का इस्तेमाल करें। गाय के गोबर और सब्जियों के छिलकों में मौजूद पोषक तत्तव पौधों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

मेंहदी का पौधा लगाकर होगी बचत

- मेंहदी का पौधा लगाकर आप हाथ और बालों के लिए मेंहदी खरीदने से बच सकते हैं। इसके अलावा आप घर पर मेहंदी बनाकर बिक्री भी कर सकते हैं। इससे आपकी सेविंग होगी।

आपका व्यक्तित्व ही आपकी स्टाइल है

आपका स्टाइल आपका अपना हुआ करता है। ये इस बात से इतर है कि फैशन क्या है और ट्रेंड क्या है। सही है कि कुछ चीजें समय के साथ बदलती है, मगर ये भी सही है कि कुछ चीजें समय के बाद नहीं भी बदलती है। बात कुल मिलाकर यह है कि आपको अपना स्टाइल खुद ही विकसित करना चाहिए। ट्रेंड क्या है, और क्या हॉट रहने वाला है से आगे है आपकी अपनी स्टाइल। आप अपनी स्टाइल खुद चुनकर तो देखें। आपकी स्टाइल का संबंध आपके कपड़ों और आपके फैशन सेंस से कम, आपके व्यक्तित्व से बहुत ज्यादा है। आपका व्यक्तित्व ही आपकी स्टाइल है, बस इसमें कुछ और चीजें एड कर लें।

परिपक्व बनें

युवा नजर आने के लिए लोग तरह-तरह के स्टाइल बरतते हैं। फंकी लुक, कलर्ड हेयर, फंकी हेयर स्टाइल... इससे आप यंग तो लग सकते हैं, लेकिन यह आपके व्यक्तित्व को ग्रेविटी नहीं देता है। यदि आप वेल-ड्रेस्ड और आकर्षक लगना चाहते हैं तो जरूरी है कि आप परिपक्व हों। क्योंकि चाहे जो हो मेच्योरिटी भी एक गुण तो है ही। आखिर इससे ही तो एक लड़का, पुरुष होता है। परिपक्वता पौरुष दिखाती है और इसलिए सम्मान भी हासिल करती है। और यही वह क्वॉलिटी है जो लोग आपमें देखना चाहते हैं। इसका यह मतलब नहीं है कि आप अपने पिता की तरह ही ओल्ड फैशंड और पेस्टल कलर्स के कपड़े पहनें और क्लासिक शूज, वॉचेज आदि का इस्तेमाल करें। इसका सीधा-सा मतलब है कि आप खुद को टीनएजर लड़के की तरह दिखाना बंद करें।

ग्राफिक टी-शर्ट नहीं

अपनी टीनएजर छवि से बाहर आने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप ग्राफिक टी-शर्ट पहनना बिल्कुल बंद कर दें। ये सच है कि ये हरेक को बहुत पसंद आती है। ये दिखती भी अच्छी है और आरामदायक भी रहती है, इसलिए हरेक इसे लगातार पहने रखना चाहता है। लेकिन अब आपको इसे पहनना बंद कर देना चाहिए। आपके पास इसके लिए बहुत सारे दूसरे और अच्छे विकल्प है। इसे इस तरह देखें कि फिल्मों में कोई भी डिसेंट टाइप का कामकाजी, मतलब रोजगार याफ्ता हीरो इस तरह की टी-शर्ट में नजर नहीं आएगा। आप ऐसा तो नहीं ही चाहेंगे कि लोग आपके पुरुष में छोटे लड़के की छवि भी देखें। इसकी बजाए आप प्लेन या फिर लाइनिंग वाले टी-शर्ट पहनें। बल्कि इससे भी ज्यादा अच्छा तो यह है कि आप कैजुअल शर्ट्स या फिर पोलोज पहनें। जो आपके व्यक्तित्व में ज्यादा निखार लाएगा।

जीन्स कंटीन्यू रखें

लोअर के तौर पर आप जीन्स पहन सकते हैं। इसमें कुछ बुराई भी नहीं है। आमतौर पर टीशर्ट को जीन्स के साथ ही पेयर किया जाता है, लेकिन यदि आप इस पर शर्ट भी पहनते हैं तो जीन्स अच्छा लगता है। बस अपनी बॉडी साइज और बॉडी शेप पर गौर कर लें। बहुत लंबे और दुबले हैं तो स्किनी जीन्स पहनने से बचें। थोड़े मोटे हैं तो बैगी को एकदम ही अवाइड करें। जीन्स भी क्लासिक ही पहनें, फेडेड या किसी और तरह की जीन्स न पहनें। बहुत बड़े लोगो वाली जीन्स या कोई और ड्रेस भी अवाइड करें। डार्क ब्लू कलर की सिंपल और स्ट्रेट जीन्स का उपयोग करें।

लेयर्स में पहनें

यदि कपड़ों का रंग डल है तो उन पर कुछ और ट्राय करें। अपने कपड़ों को और भी ज्यादा आकर्षक बनाएं। असल में कई लोगों को यह पता ही नहीं होता है कि किस रंग को किस रंग के साथ मैच करें। या फिर किस तरह के ट्राउजर के साथ किस तरह के शर्ट या फिर पोलो के साथ मैच करें। इस बारे में बहुत जानने की जरूरत भी नहीं है। यदि किसी ने एक प्लेन ग्रे स्वेटर और जींस पहना तो इसमें कुछ बुराई भी नहीं है, लेकिन ये उतना स्टाइलिश नहीं होता है। अब सफेद शर्ट के साथ ग्रे स्वेटर को कंबाइन करें। यह पहले से बेहतर नजर आएगा। ऐसे ही ब्लू ब्लैजर को पिंक शर्ट या यलो शर्ट या फिर स्काई ब्लू शर्ट के साथ पेयर अप करें। खूबसूरत लगेगा।

ब्लेजर के बारे में क्या खयाल है?

ठीक है कि बहुत फॉर्मल ड्रेसेस हमेशा पसंद नहीं आती है। हमेशा सूट-बूट टाई हो ये जरूरी नहीं है। हमारे देश और हमारे यहां के मौसम में यह बहुत उपयोगी भी नहीं है, लेकिन खास मौकों पर ब्लेजर तो पहना ही जा सकता है। खासतौर पर गर्मी के अतिरिक्त किसी पार्टी या फिर शादी के मौके पर ब्लेजर प्लेन टी-शर्ट या फिर प्लेन शर्ट के साथ ब्लेजर को कंबाइन करें, खूबसूरत के साथ- साथ स्मार्ट भी लगेगा।

कलाई न रहे सूनी

अब घड़ी की जरूरत सिर्फ समय देखने के लिए नहीं हुआ करती है। इसलिए कई लोगों ने जो इसके उपयोग पक्ष पर निर्भर करते थे घड़ियों को अपनी स्टाइल लिस्ट से हटा दिया है। लेकिन याद रखें कि यह भी एक्सेसरी है जो आपको कंप्लीट मेन की तरह प्रस्तुत करती है। ऐसा इसलिए भी है कि खाली कलाई बहुत अच्छी नजर नहीं आती है। आप चाहें तो घड़ी पहनें या फिर लेदर ब्रेसलेट लेकिन कलाई में कुछ पहनें जरूर।

करो अपने मन की

हर मौसम में फैशन की दुनिया से कुछ न कुछ इन और आउट होता रहता है। कभी रंगों को लेकर उनके प्रिडिक्शन रहा करते हैं, कभी कपड़ों के कट-फिट्स को लेकर। याद रहें कि अक्सर ये सब पश्चिमी दुनिया से आए प्रिडिक्शन हुआ करते हैं। हमारे यहां का मौसम, शारीरिक बनावट, अवसर और जरूरत बिल्कुल अलग-अलग हुआ करते हैं। इसलिए बजाए इस बात को फॉलो करने के कि फैशन की दुनिया क्या कह रही है, वे पहनें जो सुविधाजनक हो और अपनी उम्र, काम और अवसर के अनुकूल हो। आपकी स्टाइल आपका अपना होगा। ये किसी की कॉपी भी न हो और किसी के इंस्ट्रक्शंस के हिसाब से भी न हो। बस ये याद रखें कि आप क्या हैं, आपका बॉडी टाइपशेप क्या है और आप क्या कर रहे हैं? साथ ही सबसे महत्वपूर्ण कि आप स्वयं को किस तरह से प्रस्तुत करना चाहते हैं?

टाइल्स से जुड़े इन वास्तु नियमों को अवश्य जानें

टाइल्स को इस्तेमाल करने का चलन काफी बढ़ गया है। यह बहुत महंगी नहीं होती है और इन्हें मेंटेन करना भी काफी आसान होता है। शायद यही कारण है कि लोग अपने घरों की दीवारों से लेकर फर्श, किचन से लेकर बाथरूम तक हर जगह टाइल्स का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं।

चूंकि इनमें कई तरह के पैटर्न व कलर अवेलेबल होते हैं। तो ऐसे में आपका घर बिल्कुल भी बोरिंग नहीं लगता है। यकीनन घर में टाइल्स का इस्तेमाल करना एक अच्छा विचार है। लेकिन इसे इस्तेमाल करते समय आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में वास्तु शास्त्री डॉ. आनंद आपको बता रहे हैं कि घर में टाइल्स का इस्तेमाल करते समय आपको किन छोटी-छोटी बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए-

लाइट कलर का करें इस्तेमाल

जब आप घर में टाइल्स का इस्तेमाल कर रही हैं तो आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप लाइट कलर का ही इस्तेमाल करें। भले ही आप अपने घर में कहीं पर भी टाइल्स का इस्तेमाल करें तो बहुत गहरा रंग इस्तेमाल करने से बचें। टाइल्स में ऑफ लाइट या लाइट बेज कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। आप चाहें तो टाइल्स में व्हाइट कलर भी यूज कर सकती हैं। इससे उस स्थान की एनर्जी बढ़ जाती है।

डिजाइन पर दें ध्यान

आजकल अपने घर को डिजाइन करते समय लोग टाइल्स से तरह-तरह के पैटर्न बनाते हैं। इस बात में कोई समस्या नहीं है। आप दो तीन तरह की टाइल्स को मिक्स करके एक खूबसूरत पैटर्न बना सकती हैं। हालांकि, इस बात का ध्यान रखें कि वह पैटर्न ज्योमेट्रिकल हो, ना कि एब्सट्रैक्ट। अगर टाइल का डिजाइन एब्सट्रैक्ट होता है तो इससे घर में नेगेटिविटी बढ़ने लगती है। साथ ही साथ, इससे परिवार के सदस्यों को किसी भी तरह का फैसला लेने में परेशानी होती है।

दीवारों पर करें अवॉयड

घर में टाइल लगाने का चलन काफी बढ़ गया है। लेकिन आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप घर में दीवारों पर टाइल्स ना लगाएं। टाइल्स को बाथरूम या किचन की दीवारों पर लगाया जा सकता है। लेकिन इन्हें कमरे की दीवारों पर नहीं लगाना चाहिए। दरअसल, वास्तु के अनुसार यह एक ब्रीदिंग मटेरियल नहीं है। इसलिए, जब इन्हें दीवारों पर लगाया जाता है तो इससे व्यक्ति को प्रॉब्लम हो सकती है। अगर कभी बहुत अधिक मजबूरी हो, तभी आप किसी एक दीवार पर टाइल लगा सकते हैं।

ना बनाएं स्वास्तिक डिजाइन

कई बार जब लोग अपने घर में टाइल्स लगाते हैं तो तरह-तरह की टाइल्स से डिफरेंट पैटर्न बनाते हैं। लेकिन अगर आप फर्श पर टाइल्स लगा रही हैं तो इस बात का खासतौर पर ध्यान रखें कि वहां पर स्वास्तिक का डिजाइन ना बनाएं। इसका अपना धार्मिक महत्व होता है और इसलिए इसे जमीन पर बनाना व चलना अच्छा नहीं होता है। तो अब आप भी घर पर टाइल्स लगाते समय इन बातों का ध्यान रखें और अपने घर में पॉजिटिविटी को बनाए रखें।

संक्षिप्त खबरें

खूब पढ़ें और निरंतर जीवन में आगे बढ़ें: बागड़े

जयपुर/जोधपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने जोधपुर में सोमवार को जनजातीय क्षेत्र विकास विभाग द्वारा संचालित राजकीय जनजाति आश्रम कन्या छात्रावास की बालिकाओं से संवाद किया। उन्होंने बालिकाओं को देश का भविष्य बताते हुए उन्हें खूब पढ़ने और निरंतर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बालिकाओं से उनकी शिक्षा, उपलब्ध सुविधाओं और शिक्षा बाद निर्धारित लक्ष्य के बारे में जाना। उन्होंने आत्मविश्वास रखते बालिकाओं को हर क्षेत्र में अपने को साबित करने का आह्वान किया। इससे पहले उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनजातीय वर्ग का कल्याण हम सबकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। बालिकाओं को विकास के लिए हर संभव सुविधाएं प्रदान की जाए। इससे पहले उन्होंने राजकीय जनजाति आश्रम कन्या छात्रावास में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया।

ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार को कुचला, मौत

धरसीवा। रायपुर-बिलासपुर हाईवे पर सोमवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई है। मृतक की शिनाख्ती नहीं हो पाई है। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच कर रही है। प्रत्यक्षदर्शी डोमेश्वर साहू ने बताया कि वह सिलतरा की फैक्ट्री में काम करने जा रहा था, उसके कुछ दूर आगे एक दोपहिया भी रायपुर की तरफ जा रहा था, तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से उस दोपहिया को टक्कर मारा और रौंदते हुए फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और 112 वाहन से मृतक का शव धरसीवा के चीर घर भेजा गया। मृतक का मोटरसाइकिल नंबर सीजी 22 व्ही 9510 है। मृतक की शिनाख्ती के प्रयास किए जा रहे हैं। मृतक और उसके मोटरसाइकिल की फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर शेयर किया, ताकि मृतक की शिनाख्त हो सके।

राजधानी में पुरानी जर्जर इमारत गिरी, एक व्यक्ति की मलबे में दबने से मौत

जयपुर। कोतवाली थाना इलाके में स्थित चांदपोल बाजार एरिया में पुरानी इमारत तोप खाना में रविवार-सोमवार की मध्यरात्रि डेढ़ बजे एक पुरानी जर्जर इमारत गिर गई। इस हादसे में कमरे में सो रहा एक व्यक्ति मलबे में दब गया। सूचना मिलने पर सिविल डिफेंस की टीम सहित पुलिस मौके पर पहुंच कर मलबा हटाने का काम शुरू किया। टीम ने तीस मिनट की मशक्कत के बाद मलबे में दबे व्यक्ति को बाहर निकाल कर एसएमएस लेकर गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थानाधिकारी राजेश ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली की चांदपोल बाजार तोपखाना में बिल्डिंग गिर गई है और इसमें कुछ लोगों के दबने की जानकारी है। इस पुलिस ने यह जानकारी डिफेंस को साझा की। इस पर पुलिस और सिविल डिफेंस टीम मौके पर पहुंच कर मलबा हटाने का काम शुरू किया। जहां टीम ने करीब तीस मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद मलबे में दबे मोहम्मद रहीस (51) को मलबे से बाहर निकाल कर 108 एम्बुलेंस की मदद से एसएमएस लेकर गए।

एक ट्रेलर के ड्राइवर और खलासी जिंदा जले

जयपुर। बगरू थाना इलाके में सोमवार की सुबह अजमेर नेशनल हाईवे-48 पर अचानक दो ट्रेलरों में जबरदस्त भिड़ंत हो जाने से आग लग गई। एक ट्रेलर के केबिन में फंसे चालक और खलासी जिंदा जल गए और दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। दमकलों को बुलाकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना के बाद नेशनल हाईवे 48 दहमी खुर्द पर लंबा जाम लग गया। इसके बाद दोनों ट्रेलरों को क्रेन की मदद से हटाकर ट्रैफिक सुचारू किया गया। पुलिस के अनुसार नेशनल हाईवे संख्या 48 के दहमी खुर्द पर सुबह दो ट्रेलरों में जबरदस्त भिड़ंत होने के बाद आग लग गई।

नाले में डूबे युवक का शव गोताखोरों ने बरामद किया

जालौन। जनपद में उरई कोतवाली क्षेत्र में रविवार को पैर फिसलने से एक युवक नाले में डूब गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से युवक की खोजबीन शुरू करा दी। सोमवार की सुबह गोताखोरों ने युवक के शव को बरामद कर लिया। उरई कोतवाली क्षेत्र के रामकुंड निवासी रमेश (30) नाले पर बने पुल से गुजर रहा था। तभी वह नाले के पास बैठा और अचानक संतुलन बिगड़ने से उसमें गिरकर बह गया। इस घटना को नाले के आसपास मौजूद लोगों ने देखा तो तत्काल मौके पर पहुंचे।

सोनीपत: मामूली विवाद में युवक की हत्या

सोनीपत। जिले के बाघडू गांव में रविवार रात एक युवक की हत्या कर दी गई। घटना में युवक को शराब की बोतल और नुकीली चीज से वार कर मार दिया गया, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नागरिक अस्पताल भेज दिया। सोनीपत के गांव बाघडू निवासी जितेंद्र ने बताया कि रविवार रात 11 बजे के करीब वह अपने साथी नरेश के साथ गांव के शराब के ठेके के पास था।

भगवान श्रीकृष्ण व श्रीराम से जुड़े स्थलों को तीर्थ बनाया जाएगा : डॉ. मोहन यादव

● डॉ. मोहन यादव ने कहा भाजपा सरकार श्रीकृष्ण का अनुसरण करते हुए धर्म के मार्ग पर चल रही है

भोपाल। एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पन्ना स्थित श्री जुगल किशोर मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण आख्यान की कला अभिव्यक्तियां 'श्रीकृष्ण पर्व' में शामिल होकर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराम से जुड़े सभी स्थलों को भाजपा सरकार तीर्थ स्थलों के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। पन्ना जिले के विकास की हर मांग को भाजपा सरकार पूरा करेगी। भाजपा सरकार भगवान श्रीकृष्ण का अनुसरण करते हुए धर्म के मार्ग पर चल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पन्ना में भगवान श्री जुगल किशोर जी विराजे हैं। पन्ना वह धरती है, जिस पर जन्म लेने वाले हर बच्चे के जन्मस्थान के नीचे रत्नों का भंडार है। महाराजा छत्रसाल की धरती पर आकर मैं गौरव की अनुभूति कर रहा हूं। बुंदेलखंड की धरती ने हिंदू समाज को बचाने के लिए अग्रणी भूमिका निभाई है। मध्यप्रदेश के रहने वाले हम सभी लोग सौभाग्यशाली हैं कि इस धरती पर भगवान श्रीकृष्ण और प्रभु श्रीराम दोनों ने अपनी लीलाएं दिखाई हैं। भगवान श्री कृष्ण ने उज्जैन में शिक्षा ग्रहण की तो भगवान श्रीराम जी ने वनवास का सबसे अधिक समय चित्रकूट में बिताया। भगवान श्रीराम जी और भगवान श्रीकृष्ण जी से जुड़े सभी स्थलों को मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार तीर्थ स्थल बनाएगी। कोई कुछ भी कहे, लेकिन मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के बताए मार्ग पर चल रही है। भगवान श्रीकृष्ण ने धर्म के मार्ग पर चलना सिखाया है। श्रीकृष्ण ने परंपरा के खिलाफ बदलाव लाने का संदेश दिया है।

मैं श्री जुगल किशोर भगवान और जनता के आशीर्वाद से कार्य कर रहा हूं : विष्णुदत्त शर्मा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पन्ना की जनता से कितना स्नेह है कि वे श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की पूर्व संध्या और भगवान बलदाऊ की जन्म जयंती के अवसर पर पन्ना आकर भगवान श्री जुगल किशोर से आशीर्वाद लेकर आपको सौगात देने आए हैं। मध्यप्रदेश में पन्ना टाइगर रिजर्व ने विदेशी पर्यटकों की संख्या में रिकार्ड कायम किया है। पन्ना में मेडिकल कॉलेज, आयुर्वेद कॉलेज, कृषि कॉलेज की सौगात भाजपा सरकार ने दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के प्रयासों से एनएमडीसी की खदान शुरू हो रही है। मैं भगवान श्री जुगल किशोर और और यहां की जनता के आशीर्वाद से ही जनता की सेवा का कार्य कर रहा हूं। पन्ना में जल्द रेलवे स्टेशन बनकर तैयार हो रहा है, हवाई पट्टी और आधुनिक रूप से तैयार की जा रही है। भाजपा सरकार पन्ना का लगातार विकास कर रही है। श्री जुगल किशोर महालोक का बजट बढ़ाकर और बेहतर कार्य किया जाएगा। पन्ना के विकास को चार चांद लगाएंगे।

भगवान श्री जुगल किशोर का किया दर्शन

श्री जुगल किशोर मंदिर पहुंचने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा का ग्वाल टोली ने नृत्य से स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने जुगल किशोर मंदिर पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण का पूजन-अर्चना किया और आयोजन स्थल पर लगाई गई चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को हल भेंट कर स्वागत किया गया।

चार माह बाद मिला अधजला कंकाल

सोलन। जिले के अन्तर्ग पड़ने वाले सुबाथू छावनी क्षेत्र में करीब चार महीने बाद रविवार शाम को एक अज्ञात अद्धजला कंकाल मिला है। रविवार को इसकी सूचना मिलने के बाद प्रशासन व पुलिस हरकत में आई और तलाश शुरू की गई लेकिन कामयाबी हाथ नहीं लगी है। इसलिए सोमवार को इस कार्रवाई को आरंभ किया है। जिसके बाद ही इस रहस्य पर से पर्दा उठ सकेगा। छावनी प्रशासन के सफाई कर्मचारियों द्वारा अद्धजलि लाश को खड्ड में धकेल दिया गया था। ज्ञातव्य है कि छावनी प्रशासन द्वारा रामबाग मार्ग पर स्थित डंपिंग साइट पर कूड़ा फैंका जाता है। इस स्थान पर सफाई कर्मचारियों को अप्रैल महीने में एक अज्ञात अद्धजलि लाश मिली थी, जिसका सिर्फ धड़ और बाजू होने के कारण पहचान करना कठिन था। इसकी बाबत उन कर्मचारियों ने विभागीय आला अधिकारी को सूचना दी थी । लेकिन उनके द्वारा गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाते हुए इसकी सूचना पुलिस व प्रशासन को नहीं दी थी। उन सफाई कर्मचारियों ने भी इसे हल्के में लेते हुए लाश को खड्ड में धकेल कर मामला रफा-दफा कर दिया था। यह सारी घटना किसी व्यक्ति ने अपने वीडियो कैमरे में कैद कर ली थी।

विकसित भारत की परिकल्पना में देना होगा योगदान : सीएम योगी

मथुरा। एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कान्हा की नगरी मथुरा में कहा कि मैं प्रदेशवासियों को श्री कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई देता हूं और प्रभु से सुख-समृद्धि की कामना करता हूं। प्रभु से कामना करता हूं कि आपको इतनी शक्ति दें कि आपका व्यक्तिगत जीवन, पारिवारिक जीवन और सामाजिक जीवन मंगलमय हो और आप सभी मिलकर विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान करने के लिए तैयार हो सकें। दो दिवसीय दौरे पर मथुरा आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को दूसरे दिन सुबह श्रीकृष्ण जन्मभूमि पहुंचे। जहां उन्होंने मंदिर की वाटिका में एक पेड़ लगाया और गर्भगृह से लेकर अन्य सभी मंदिरों में पूजा अर्चना की। उन्होंने राधा-कृष्ण की युगल जोड़ी की आरती उतारकर पूजा अर्चना की एवं ठाकुरजी का पंचामृत से महाभिषेक किया। मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं को सीएम योगी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने द्वापर युग में पावन धरा पर पूर्ण अवतार लेकर धर्म, सत्य और न्याय की स्थापना का कार्य किया। उन्होंने श्रीमद् भागवत गीता दी, जो संजीवनी है। उसमें जीवन का सार छिपा हुआ है। श्रीकृष्ण के दिखाए मार्ग पर सभी देशवासियों को चलना होगा।

सभी को मिलकर विकसित भारत की परिकल्पना में अपना योगदान देना होगा। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के चलते हजारों श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में होल्डिंग एरिया में रोका गया। सीएम रविवार शाम को मथुरा आए थे। 1037 करोड़ की परियोजनाओं का उन्होंने शिलान्यास और लोकार्पण किया था।

ट्रैक्टर के साथ लापता हुए 7 लोगों की खोजबीन जारी

मोरबी। मोरबी जिले की हलवद तहसील के ढवाणा गांव के पास नदी के कोजवे से जा रहा ट्रैक्टर रविवार रात बह गया। ट्रैक्टर ट्राली में सवार 17 लोग भी ट्रैक्टर के साथ बह गए। घटना की जानकारी होने पर देर रात से ही रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, जिससे सोमवार सुबह तक 10 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया जबकि शेष 7 लोगों की खोजबीन जारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार ट्रैक्टर ट्राली में 17 लोग सवार थे, जिनमें से 4 लोग तुरंत ही तैरकर बाहर निकल गए। कुछ लोग एक दूसरे के सहारे किसी तरह नदी से बाहर निकल आए। एक महिला और पुरुष को फायर की टीम ने किसी तरह बाहर निकाला। कुल 10 लोगों को बचा लिया गया। बाकी 7 लोगों की खोजबीन जारी है। मोरबी के कलक्टर केबी झवेरी ने बताया कि ढवाणा गांव के पास नदी के पानी में ट्रैक्टर बह गया। इसमें कुल 17 लोग सवार थे। 4 लोग खुद ही बाहर निकल आए, जबकि एक महिला समेत दो लोग पानी में बह गए थे, इनका रेस्क्यू कर लिया गया है।

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू से पिछले 15 दिनों में छह लोगों की मौत

रायपुर। एजेंसी

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू के मरीज बढ़ते जा रहे है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार स्वाइन फ्लू से पिछले 15 दिनों में छह लोगों की मौत हुई है। इसे देखते हुए पूरे राज्य में अलर्ट जारी कर दिया है। सभी मेडिकल कॉलेजों के डीन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को वॉयरोलॉजी लैब्स में एन-1 एच- वायरस की जांच के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। माहभर में 60 से ज्यादा मरीज मिले हैं। राजधानी में स्वाइन फ्लू का पहला केस जुलाई के पहले सप्ताह में आया था। कांकेर का मरीज निजी अस्पताल में भर्ती था। उसे इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया था। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि स्वाइन फ्लू के लक्षण आते ही तत्काल जांच कराएं। इलाज में देरी जानलेवा हो सकती है। बिलासपुर और राजनांदगांव में जिन मरीजों की मौत हुई है, वे काफी विलंब से अस्पताल पहुंचे थे। सरगुजा में स्वाइन फ्लू का कहर तेज हो गया है। यहां एक बुजुर्ग की मौत एच1 एन1 संक्रमण से हुआ है। स्वाइन फ्लू से सरगुजा संभाग में यह तीसरी मौत बताई जा रही है। इसके पूर्व भी कोरिया और एमसीबी में वायरस से दो लोगों की मौतें हो चुकी है।

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू से पहली मौत 9 अगस्त, 2024 को कोरिया जिले में एक महिला की हुई थी। इसके एक दिन बाद यानी 10 अगस्त को जांजगीर-चांपा जिले में स्वाइन फ्लू से मौत के मामले सामने आए थे। यहां 66 वर्षीय महिला की मौत हो गई थी। छत्तीसगढ़ में पिछले एक सप्ताह में स्वाइन फ्लू के 29 मरीज पॉजिटिव मिले हैं, जिनमें से 26 केवल बिलासपुर के हैं, जिनमें से 14 मरीजों का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

यूक्रेन ने रूस के सारातोव की सबसे ऊंची इमारत पर दागा ड्रोन

मास्को/कीव। एजेंसी

रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग दिन-महीना और साल गुजरने के साथ-साथ और आक्रामक होती जा रही है। यूक्रेन ने सोमवार को रूस के सारातोव शहर की सबसे ऊंची इमारत (वोल्गा स्काई) को ड्रोन से निशाना बनाकर दुनिया को 9/11 की याद के भयावह मंजर की याद दिला दी। वोल्गा स्काई 38 मंजिला इमारत है। दूसरी तरफ रूस ने भी यूक्रेन पर ताबड़तोड़ हमले कर कीव की नींद उड़ा दी है। सारोतोव शहर के गवर्नर रोमन बसुरगिन ने टेलीग्राम मैसेंजर ऐप पर जानकारी दी कि इस ड्रोन हमले में एक महिला घायल हो गई है। वोल्गा स्काई पर हमले का एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें ड्रोन वोल्गा स्काई से टकराता दिख रहा है। गनीमत यह रही कि वोल्गा स्काई इमारत को आग नहीं लगी। इस बीच रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने सारातोव क्षेत्र में दुश्मन के नौ ड्रोन नष्ट कर दिए। इस हमले के बाद सारोतोव शहर के एयरपोर्ट पर हवाई जहाजों की उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। हालांकि कुछ घंटे बाद प्रतिबंध हटा दिया गया।

रूस पर हमले से एक दिन पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा था कि उनकी सेना रूस के कु?र्स्क क्षेत्र में तीन किलोमीटर तक आगे बढ़ गई है। रूस की दो और बस्तियों पर नियंत्रण कर लिया है। इस बयान के बाद रूस ने रात को उत्तरी और पूर्वी यूक्रेन को निशाना बनाकर कई मिसाइलें और ड्रोन दागे।

बांग्लादेश में अशांति, अंसार ने सचिवालय में अधिकारियों को बंधक बनाया

ढाका। एजेंसी

बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने के बावजूद अशांति का ज्वालामुखी ठंडा नहीं पड़ा है। रविवार को भी राजधानी ढाका में शाम से रात तक हिंसक प्रदर्शन होते रहे। अंतरिम सरकार में शामिल भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के नेताओं के साथ अंसार सिक्योरिट एजेंसी के वर्करों से टकराव के चलते हालात गंभीर हो गए। अंसार सिक्योरिटी एजेंसी को हसीना समर्थक माना जाता है। नियमिति किए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे अंसार एजेंसी के वर्करों ने सचिवालय के कई अधिकारियों को बंधक बना लिया। इस दौरान हुई हिंसा में कम से कम 40 लोग घायल हो गए।

बांग्लादेश से छपने वाले समाचार पत्र ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, सचिवालय के पास शाम बाद छात्रों और अंसार सदस्यों के बीच हुई हिंसा में भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के नेता हसनत अब्दुल्ला घायल हो गए। डीएमसीएच पुलिस चौकी प्रभारी इंस्पेक्टर बच्चू मिया ने पुष्टि की कि उन्हें ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। इंस्पेक्टर ने कहा कि झड़पों में छात्रों, अंसार सदस्यों, राहगीरों और पत्रकारों सहित कम से कम 40 लोग घायल हुए हैं।

अखबार के अनुसार, जैसे-जैसे रात चढ़ी, वैसे-वैसे सचिवालय के पास छात्रों और अंसार सदस्यों के बीच झड़पें तेज होती गईं। रात नौ बजे के बाद तो दोनों एक-दूसरे को दौड़ा-दौड़ा कर दबोचने लगे। हालात अनियंत्रित होते ही रात करीब 10 बजे सेना पहुंची। सैनिकों की मौजूदगी के बावजूद छात्रों और अंसार सदस्यों के बीच गोलीबारी होती रही। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किया। इसके बाद, अंसार के अधिकांश सदस्य जीरो प्वाइंट से बाहर निकल गए। सचिवालय के आसपास का क्षेत्र तब हजारों छात्रों के नियंत्रण में आ गया। सचिवालय के गेट पर सेना के जवान तैनात किए गए।

परीक्षा में फर्जी सॉल्व पेपर गिरोह के चार ठग गिरफ्तार

मीरजापुर। उप्र पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा में फर्जी सॉल्व पेपर देकर अभ्यर्थियों को ठगने वाले गिरोह के चार लोगों को देहात कोतवाली पुलिस ने शनिवार की देर शाम देवापुर पचवल स्थित खजुरी नदी पुल के पास से से गिरफ्तार किया। कोतवाली देहात प्रभारी अजय सेठ ने बताया कि उनके पास से बरामद मोबाइल फोन में परीक्षा के लिए सॉल्व पेपर उपलब्ध होने और पूर्व की परीक्षा में लेन-देन आदि से संबंधित चैटिंग की जानकारी मिली है। उनके पास से पांच मोबाइल फोन, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, दो डेबिट कार्ड आदि बरामद हुए हैं। पकड़े गए लोगों में कमल कुमार सरोज निवासी परवाराजधर, पवन कुमार यादव निवासी जोगियाबारी, अरुण कुमार सरोज निवासी सिउरा और राधे कुमार बिंद निवासी दुल्हापुर थाना पड़री हैं। देहात कोतवाल ने बताया कि ये ठग परिक्षार्थी बनकर अन्य अभ्यर्थियों को अपना प्रवेश पत्र दिखाकर जाल में फंसाते और नकली साल्व पेपर बेचने के नाम पर ठगी करते हैं।

महोत्सव जन्माष्टमी मनाते हुए स्कूली छात्रों ने भगवान कृष्ण के रूप और नृत्य नाटिका के माध्यम से प्रस्तुति दी

जन्माष्टमी पर उत्कृष्ट विद्यालय के विद्यार्थियों ने दी आकर्षक प्रस्तुतियां

● शिवपुरी के उत्कृष्ट विद्यालय में मनाई गई जन्माष्टमी

शिवपुरी। एजेंसी

शिवपुरी में सोमवार को कृष्ण जन्माष्टमी पर्व धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शिवपुरी जिला मुख्यालय पर स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन हुआ। इस दौरान स्कूली विद्यार्थियों आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर कृष्ण भक्ति गीत, नृत्य, नाटिका और क्विज प्रतियोगिता हुई। उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन, कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, जिला शिक्षा अधिकारी समर सिंह राठौड़ और उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य विवेक श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्रा में उपस्थित रहे। उत्कृष्ट विद्यालय में जन्माष्टमी के मौके पर स्कूली छात्रों ने भगवान कृष्ण के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिका, भक्ति गीत और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में कृष्ण के जीवन पर एक क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के तीन विजेताओं को सम्मानित किया गया। मौके पर स्कूली बच्चों में भारी उत्साह देखने को मिला।

श्री कृष्णजन्माष्टमी के अवसर पर पावन श्री रेणुकाजी झील में आस्था की डुबकी

नाहन। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर प्रदेश की आस्था की बड़ी प्राकृतिक झील रेणुकाजी में सेंकडों श्रद्धालुओं ने हाजिरी भरते हुए आस्था की डुबकी लगाई। इस तरह दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु तीर्थ श्री रेणुकाजी पहुंचे। वंही तीर्थ के मंदिरों में कन्हैया जन्म उत्सव पर पालने को झूला झुलाया, वंही फूलों से श्रद्धालुओं ने कान्हा का श्रृंगार किया। रेणुकाजी में गुग्गा नवमी से पूर्व गुग्गा महाराज के भक्त छड़ियों के साथ झील रेणुकाजी में पहुंचे । वंही छड़ियों के साथ झील स्नान किया। गुग्गा भक्तों ने बताया कि जन्माष्टमी अवसर पर सदियों से परम्परा को निभाते हुए छड़ियों का स्नान करवाया जाता है। जिसके बाद नवमी को रात्रि जागरण आयोजित होता है।

नाहन के प्राचीन मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी की धूम

नाहन। भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व है जिस पर पुरे देश में अनेक आयोजन किये जा रहे हैं। सिरमौर जिला मुख्यालय नाहन के प्राचीन राधा कृष्ण मंदिर में सुबह से श्रद्धालुओं का ताँता लगा हुआ है। लोग कतारबद्ध होकर भगवान श्री कृष्ण जी के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। नाहन में यह राधा कृष्ण मंदिर प्राचीन मंदिर है और एम इ एस राधा कृष्ण मंदिर कहलाया जाता है। मंदिर पुजारी नरेंद्र शर्मा ने बताया कि मंदिर में सुबह से ही लोगो का तांता लगा हुआ है और लोग श्रद्धापूर्वक माथा टेक रहे हैं। इस अवसर पर यहां मेले का भी आयोजन हो रहा है और देर रात तक मंदिर में पूजा अर्चना की जाएगी।

निर्माण श्रमिक तीन सितंबर को उपायुक्त कार्यालय पर देंगे धरना : विक्रम सिंह

हिसार। एजेंसी

एटक से संबंधित भवन निर्माण श्रमिक संघ ने अपनी मांगों व समस्याओं के हल के लिए तीन सितम्बर को उपायुक्त कार्यालय के समक्ष धरना देने की घोषणा की है। इस संबंध में राज्य महासचिव विनोद दड़ौली के संचालन में राज्य प्रधान विक्रम सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में सभी जिला कमेटी व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शामिल हुए जिसमें निर्माण मजदूरों की मांगों बारे तीन सितंबर को उपायुक्त पर किए जाने वाले धरना प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए संघ नेताओं ने कहा कि निर्माण मजदूरों की लंबित मांगों के समाधान को लेकर संगठन लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मजदूरों की कोई सुध नहीं ले रही है और मजदूरों को कोई भी सुविधा समय पर नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार मजदूरों के कल्याण को लेकर बड़े-बड़े दावे कर उनके साथ भद्दा मजाक कर रही है। भाजपा सरकार पिछले साढ़े नौ वर्षों से श्रमिक कल्याण बोर्ड के पैसों पर कुंडली मारकर बैठी हुई है।

संक्षिप्त खबरें

कबड्डी कम समय में खेले जाने वाला सबसे रोमांचक खेल : कविता योगेश बाबर

धमतरी। राज बंधु कबड्डी दल एवं ग्राम विकास समिति सारंगपुरी के तत्वाधान में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। समारोह की अतिथि क्षेत्र की जिला पंचायत सदस्य कविता योगेश बाबर थी ।कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्मा सोनकर सरपंच ने की। आयोजन में छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों से आए हुए खिलाड़ियों ने अपना खेल का प्रदर्शन किया। सभा को संबोधित करते हुए कविता बाबर ने कहा कि मानव जीवन में खेल कूद का एक अपना विशिष्ट योगदान रहता है, क्योंकि खेलने कूदने से शरीर स्वस्थ रहता है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन निवास करता है। कबड्डी का खेल भारतीय संस्कृति और परंपरा का ऐतिहासिक खेल है जो कि आज अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहचान बना चुका है। कबड्डी लीग के माध्यम से अन्य देशों के खिलाड़ी भी इसमें हिस्सा लेते हैं। यह खेल अत्यंत कम समय में संचालित होता है लेकिन इसका रोमांच अपने चरम सीमा में होता है। खिलाड़ी खेल भावना से खेलें, हार-जीत होती रहती है। आज हार गए तो अपनी गलतियों को सुधारकर कल आप जरूर जीत की ओर अग्रसर होंगे। उन्होंने समस्त खिलाड़ियों को शुभकामना देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के कुछ दिनों बाद लीजेंड्स लीग क्रिकेट में शामिल हुए शिखर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के कुछ ही दिन बाद लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में शामिल हो गए हैं। आधुनिक समय के सफेद गेंद के महान खिलाड़ी के रूप में खुद को स्थापित करने वाले धवन अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और जीवंत व्यक्तित्व के लिए जाने जाते हैं। एलएलसी की एक प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से धवन ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट में शामिल होने को लेकर कहा, लेजेंड्स लीग क्रिकेट के साथ इस नए अध्याय को शुरू करना मेरी सेवानिवृत्ति के बाद आदर्श प्रगति जैसा लगता है। मेरा शरीर अभी भी खेल की मांगों के लिए तैयार है। और जबकि मैं अपने निर्णय के साथ सहज हूं, क्रिकेट मेरा अभिन्न अंग है, यह मुझसे कभी नहीं छूटेगा, मैं अपने क्रिकेट मित्रों के साथ फिर से जुड़ने और नई यादें बनाते हुए अपने प्रशंसकों का मनोरंजन करने के लिए उत्सुक हूं।

टीमों के मेंटर नियुक्त किए गए वकार यूनिस मिस्बाह, सकलैन, सरफराज और शोएब मलिक

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर वकार यूनिस को तीन साल के अनुबंध पर पांच चैंपियंस कप टीमों के मेंटरों में से एक के रूप में नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की कि यूनिस, मिस्बाह-उल-हक, सकलैन मुश्ताक, सरफराज अहमद और शोएब मलिक के साथ चैंपियंस कप में मेंटर के रूप में काम करेंगे, जो 12 सितंबर से फैसलाबाद में शुरू होगा। पीसीबी ने एक बयान में कहा मिस्बाह-उल-हक, सकलैन मुश्ताक, सरफराज अहमद, शोएब मलिक और वकार यूनिस को आज एक पारदर्शी और मजबूत भर्ती प्रक्रिया के बाद तीन साल के अनुबंध पर पांच चैंपियंस कप टीमों के मेंटर के रूप में पुष्टि की गई। उनकी टीमों और टीमों के नामों की उचित समय पर पुष्टि की जाएगी। पाकिस्तान की नई घरेलू प्रतियोगिता में मेंटर के रूप में नियुक्ति से पहले, यूनिस ने क्रिकेट मामलों पर पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी के सलाहकार के रूप में कार्य किया।

ऑस्ट्रेलिया ने महिला टी-20 विश्वकप के लिए टीम की घोषणा की

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अक्टूबर में होने वाले महिला टी-20 विश्वकप के लिए अलिसा हीली की अगुवाई में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम में पैर में स्ट्रेस फ्रैक्चर की चोट से उबर रहीं डार्सी ब्राउन को भी शामिल किया गया है। हालांकि ऐसा पहली बार हुआ जब विश्वकप टीम में अनुभवी स्पिनर जेस जॉनासन को जगह नहीं दी गई है। इसके अलावा टीम में ग्रेस हैरिस और सोफी मोलिन्यू भी हैं। उन्होंने चोट से जल्द वापसी करने के लिए इंग्लैंड में हुए हंड्रेड टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया था।

भारत ने एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप में टीम स्पर्धा में जीता रजत पदक

● हरीश मुथु ने भी एशियन सर्फिंग चैंपियनशिप में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया

थुलुसधू। एजेंसी

भारत ने मालदीव के थुलुसधू में आयोजित एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप 2024 में टीम स्पर्धा, मारुहाबा कप में रजत पदक अपने नाम कर लिया। रविवार को खेले गये फाइनल मुकाबले में जापान ने भारत से 58.40 के बड़े अंतर के साथ स्वर्ण पदक जीता। जिसमें भारत को 24.13 का स्कोर दर्ज किया। जबकि चीनी ताइपे (23.93) और चीन (22.10) क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहे। इससे पहले कमली पी, अजीश अली, श्रीकांत डी और संजय सेल्वामणि की भारतीय टीम ने हीट 2 सेमीफाइनल में 32.16 के कुल स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया था।
चीनी ताइपे 29.70 के टीम स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहा था, जबकि दक्षिण कोरिया इस स्पर्धा के सेमीफाइनल में 27.74 के स्कोर अर्जित करने के साथ तीसरा स्थान पर रहा था। भारत ने शनिवार को एशियाई खेलों के लिए सर्फिंग में अपना पहला कोटा हासिल करने के एक दिन बाद रजत पदक जीता।
इसी के साथ भारतीय पुरुष और महिला सर्फिंग टीमें जापान के आइची-नागोया में आयोजित होने वाले एशियाई खेलों 2026 में प्रतिस्पर्धा करेंगी।
हरीश मुथु ने भी एशियन सर्फिंग चैंपियनशिप में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। कड़े मुकाबले में पिछड़ने से पहले वह क्वार्टरफाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय बने।

पीसीआई प्रमुख ने सुलभता भागीदार के प्रावधान की सराहना की

नई दिल्ली। पेरिस पैरालिंपिक 2024 से पहले, भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने रविवार को दल के लिए स्वयं को एक्सेसिबिलिटी पार्टनर के रूप में रखने के प्रावधान की सराहना की और कहा कि दिव्यांग एथलीटों के सामने आने वाली 'पीड़ा' और परेशानियों का अब समाधान हो गया है। पैरालिंपिक 2024 के लिए भारतीय दल के 20 से अधिक एथलीट रविवार को दिल्ली हवाई अड्डे से पेरिस के लिए रवाना हुए। वे मेजबान देश में उम्मीदों, एक अरब देशवासियों की शुभकामनाओं और सभी सरकारी और निजी भागीदारों के समर्थन के साथ जा रहे हैं, जो एथलीटों को टोक्यो 2020 पैरालिंपिक में स्थापित 19 पदकों के रिकॉर्ड को पार करने के लिए प्रेरित करेगा। पत्रकारों से बात करते हुए झाझरिया ने पेरिस पैरालिंपिक के लिए भारतीय दल के लिए सुगम्यता भागीदार के रूप में स्वयं को शामिल करने के पीसीआई के प्रयास के बारे में बात की।

डार्सी ब्राउन टी20 विश्व कप के लिए फिट, जेस जोनासेन बाहर

नई दिल्ली। एजेंसी

डार्सी ब्राउन पैर के स्ट्रेस फ्रैक्चर से उबर चुकी हैं और अब वह टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की 15 खिलाड़ियों वाली टीम में शामिल हो गई हैं। इस टीम को बांग्लादेश से यूएई में स्थानांतरित कर दिया गया है। जेस जोनासेन, जिन्हें इस साल की शुरूआत में बांग्लादेश दौरे से बाहर रखा गया था, पहली बार विश्व कप से बाहर हैं, जबकि वह चयन के लिए उपलब्ध थीं।
टीम में 15 खिलाड़ी हैं, जिनका नेतृत्व एलिसा हीली कर रही हैं। ऑस्ट्रेलिया लगातार चार टी20 खिताब जीतने की उम्मीद कर रहा है। ब्राउन के साथ टेला व्लामिन्क भी होंगी, जो ऑस्ट्रेलिया को दो अतिरिक्त गेंदबाज प्रदान करेंगी। फोबे लिचफील्ड अपना पहला विश्व कप खेलेंगी। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा, लंबे समय में यह पहली बार है कि विश्व कप से पहले चयन के लिए हमारी पूरी अनुबंध सूची उपलब्ध है और इसके परिणामस्वरूप वास्तव में एक स्थिर और संतुलित टीम बनी है। उन्होंने कहा, ₹यह पहली बार है जब एलिसा विश्व कप में कमान संभालेंगी और हम पहले ही देख चुके हैं कि वह और ताहलिया नेतृत्व के दृष्टिकोण से क्या लाती हैं, इसलिए उनके लिए सबसे बड़े मंच पर अपने देश का नेतृत्व करने का यह अवसर मिलना रोमांचक है। फीबे हमारे लिए एक वास्तविक एक्स-फैक्टर है और अपने पहले विश्व कप में एक अनुभवी समूह द्वारा उसका अच्छा समर्थन किया जाएगा। टेला और डार्सी की तेज गेंदबाजी जोड़ी वह है जिसे हम कुछ समय से उतारना चाहते थे और यह हमारे लिए एक वास्तविक अंतर बिंदु है। जोनासेन, जो पिछले 10 वर्षों से ऑस्ट्रेलिया की टीमों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं, के लिए इस सत्र के दौरान सेट-अप में वापसी करने के लिए उनके लिए दरवाजा खुला रखा गया था जिसमें एशेज श्रृंखला भी शामिल है।
फ्लेगलर ने कहा जेस जोनासेन फिर से दुर्भाग्यशाली रही कि वह विश्व कप से बाहर हो गई, लेकिन जिस तरह से उसने वापसी की है, उससे हम प्रभावित हैं और हम घरेलू गर्मियों से पहले उसके फॉर्म पर नजर रखेंगे। विश्व कप के लिए चुनी गई टीम अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैच भी खेलेगी, जिसमें ऑलराउंडर हीथर ग्राहम को भी शामिल किया गया है, जो यूएई नहीं जाएंगी।

ऑस्ट्रेलिया महिला टी20 विश्व कप टीम:-

एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एशले गार्डनर, किम गर्थ, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वेयरहम, टायला व्लामिन्क।

विल्सन ने जीता विश्व स्नूकर शीआन ग्रैंड प्रिक्स का खिताब

शीआन। विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी काइरेन विल्सन ने 7-8 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए रविवार को जूड ट्रम्प को 10-8 से हराकर शीआन ग्रैंड प्रिक्स में अपना सातवां विश्व स्नूकर रैंकिंग खिताब जीत लिया है। रात के सत्र से पहले, विल्सन ने ट्रम्प के खिलाफ 5-4 की बढ़त ले ली थी। ट्रम्प और विल्सन ने दसवें और ग्यारहवें फ्रेम में जीत हासिल की, इससे पहले ट्रम्प ने लगातार दो फ्रेम जीतकर अंतिम अंतराल से पहले 7-6 की बढ़त हासिल की, लेकिन 14वें फ्रेम में विल्सन के 76 ने उन्हें बराबरी पर ला दिया। ट्रम्प ने टूर्नामेंट में अपना दूसरा शतक लगाने के बाद 8-7 की बढ़त ले ली। हालांकि, विल्सन ने अपने बेहतरीन आक्रामक कौशल का परिचय देते हुए अगले तीन फ्रेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

आर्मंड डुप्लांटिस ने सिलेसिया डायमंड लीग में दसवीं बार तोड़ा विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। एजेंसी

स्वीडन के मोंडो डुप्लांटिस ने रविवार को सिलेसिया डायमंड लीग मीटिंग में दूसरे प्रयास में 6.26 मीटर की छलांग लगाकर अपना ही पोल वॉल्ट विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। डुप्लांटिस ने 10वीं बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा, इस महीने की शुरूआत में पेरिस में अपना ओलंपिक स्वर्ण पदक बरकरार रखते हुए उन्होंने 6.25 मीटर की दूरी तय की थी, और इस साल यह तीसरी बार था जब उन्होंने अपना खुद का रिकॉर्ड तोड़ा।
24 वर्षीय डुप्लांटिस ने पेरिस ओलंपिक में स्टेड डी फ्रांस की भीड़ को झूमने पर मजबूर कर दिया था, जब उन्होंने नौवीं बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था, और हमेशा यह महसूस होता था कि डुप्लांटिस का काम अभी खत्म नहीं हुआ है। बुधवार को डुप्लांटिस ने लॉजेन में जीत के लिए 6.15 मीटर की दूरी तय की, लेकिन चोरजो के सिलेसिया स्टेडियम में, छह मीटर से आगे निकल जाने के बाद, उन्होंने बार को 6.26 तक बढ़ा दिया,उनका पहला प्रयास खराब रहा, जिससे उम्मीदें कम हो गईं, लेकिन फिर स्वीडन का यह खिलाड़ी तेजी से आगे बढ़ा और फिर इतिहास रच दिया। संयुक्त राज्य अमेरिका के ओलंपिक रजत पदक विजेता सैम केंड्रिक्स ने 6.00 मीटर की दूरी तय की, लेकिन 6.08 मीटर की दूरी तय करने में विफल रहे और दूसरे स्थान पर रहे, जबकि पेरिस कांस्य पदक विजेता ग्रीस के इमैनुइल करालिस ने छह मीटर की दूरी तय करके तीसरा स्थान हासिल किया।

सुब्रतो कप सब-जूनियर बॉयजः फाइनल में नोंगिरी प्रेस्बिटेरियन का सामना मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स कॉलेज से

बेंगलुरु। एजेंसी

63वें सुब्रतो कप सब-जूनियर बॉयज इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में नोंगिरी प्रेस्बिटेरियन सेकेंडरी स्कूल, मेघालय का सामना मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स कॉलेज, उत्तर प्रदेश से होगा। खिताबी मुकाबला 28 अगस्त को यहां आर्मी सर्विसेज कॉर्प सेंटर में खेला जाएगा।
नोंगिरी प्रेस्बिटेरियन ने कड़े मुकाबले में बांग्लादेश क्रीरा शिक्खा प्रोटिस्टन को अतिरिक्त समय में 2-1 से हराया, जबकि मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स कॉलेज, उत्तर प्रदेश ने सेंट स्टीफंस स्कूल, चंडीगढ़ को 3-0 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। पहले सेमीफाइनल में दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया, जिससे पहला हाफ गोलरहित समाप्त हुआ। नोनगिरी प्रेस्बिटेरियन ने दूसरे हाफ में पेनल्टी के जरिए बढ़त हासिल की, यह गोल मार्क ने किया। हालांकि 9 मिनट बाद ही बांग्लादेश के नफीक ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया, जिससे खेल अतिरिक्त समय में चला गया।
अतिरिक्त समय में नामेबनलम ने एक बेहतरीन गोल कर मेघालय के स्कूल को फाइनल में पहुँचा दिया। मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स कॉलेज ने दूसरे सेमीफाइनल में शुरू से ही दबदबा बनाए रखा और पूरे मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी। उन्होंने आठवें मिनट में बढ़त हासिल कर ली जब अर्सलान ने लेफ्ट विंग से एक लो क्रॉस को गोल पोस्ट में डाल दिया। उत्तर प्रदेश की टीम ने पहले हाफ में ही अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। बॉक्स के अंदर फ्री रहने वाले अभिनव ने राइट विंग से क्रॉस प्राप्त करने के बाद आसानी से गेंद को गोल पोस्ट में डालकर अपनी टीम की बढ़त दो गुनी कर दी। अभिनव ने दूसरे हाफ में एक और गोल कर टीम की बढ़त 3-0 कर दी और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ।

वाणिज्य

ग्लोबल सपोर्ट से घरेलू शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी में उछाल

खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी 25 हजार के स्तर के पार पहुंचा

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से मिल रहे उत्साहजनक संकेत की वजह से घरेलू शेयर बाजार में भी तेजी का रुख बना हुआ है। कारोबार की शुरूआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल में तेजी आ गई। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.77 प्रतिशत और निफ्टी 0.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।
शुरूआती एक घंटे के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ओएनजीसी, विप्रो, बजाज फिनसर्व, एलटी माइंडट्री और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 2.39 प्रतिशत से लेकर 1.79 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर हीरो मोटोकॉर्प, बीपीसीएल, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, बजाज ऑटो और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 0.72 प्रतिशत से लेकर 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,309 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,356 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 953 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।
इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 6 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 34 शेयर हरे निशान में और 6 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती होने के स्पष्ट संकेत मिलने के कारण ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। पिछले कारोबारी सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज कमजोरी के साथ कारोबार कर रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र में लगातार खरीदारी होती रही।
हालांकि एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने का साफ संकेत देने के बाद पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में लगातार उत्साह का माहौल बना रहा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से डाउ जॉन्स 462.30 अंक यानी 1.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 41,175.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 1.15 प्रतिशत उछल कर 5,634.61 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।
इसके अलावा नैस्डेक 258.44 अंक यानी 1.47 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,877.79 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाऊ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 41,122.16 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

निर्मला सीतारमण ने टी. राजा कुमार से की मुलाकात

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को दूसरे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) से इतर सिंगापुर में वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) के पूर्व अध्यक्ष टी. राजा कुमार से मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि केंद्रीय वि?त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजा कुमार को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल के अध्यक्ष के रूप में सफल कार्यकाल पूरा करने के लिए बधाई दी। इस मुलाकात के दौरान हुई बातचीत और चर्चाओं के बीच निर्मला सीतारमण ने भारत की पारस्परिक मूल्यांकन रिपोर्ट को अपनाने के लिए एफएटीएफ की कार्यवाही के निष्पक्ष संचालन के लिए राजा कुमार की सराहना की। उन्होंने वित्तीय कार्रवाई कार्य बल के भविष्य और एफएटीएफ में भारत की भूमिका के बारे में भी विचारों का आदान-प्रदान किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण दूसरे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिए सिंगापुर के आधिकारिक दौरे पर हैं।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। एजेंसी

जन्माष्टमी के दिन घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली कमजोरी नजर आ रही है। कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 73,180 रुपये से लेकर 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 67,090 रुपये से लेकर 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी भी प्रति किलोग्राम 100 रुपये तक सस्ता हुआ है। कीमत में आई इस मामूली गिरावट की वजह से दिल्ली सराफा बाजार में ये चमकीली धातु 87,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।
देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 73,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

सांवलिया सेठ के दर उमड़ा श्रद्धा का ज्वार

दिन में हुआ मटकी फोड़ कार्यक्रम

चमकता राजस्थान-

चित्तौड़गढ़ (बाबू अग्नानी)। चित्तौड़गढ़ जिले के प्रख्यात कृष्णधाम श्री सांवलियाजी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही लंबी कतार देखने को मिली। लाखों की संख्या में श्रद्धालु दर्शनार्थ पहुंचे। इस दौरान सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त दिखे। वहीं जन्माष्टमी पर मंडफिया कस्बे में अखाड़ा प्रदर्शन हुआ और मटकी फोड़ प्रदर्शन किया। इसे देखने के लिए हजारों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस आयोजन को देखने के लिए आस पास के गांवों से सैंकड़ों लोग पहुंचे।

एस एच ओ शीतल गुर्जर की टीम ने किए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त!

जानकारी में सामने आया कि मेवाड़ के प्रसिद्ध कृष्णधाम श्री सांवलियाजी मंदिर जन्माष्टमी के पर्व पर श्रद्धालुओं का रेला देखने को मिला। यहां शनिवार को ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का क्रम शुरू हो गया। इससे कस्बे के सभी होटल और धर्मशालाएं फूल हो गई। सुबह 5.15 बजे मंगला आरती हुई, जिसमें ही लंबी कतार देखने को मिली। चित्तौड़गढ़ जिले के अलावा, मेवाड़, मालवा, हाड़ौती सहित राजस्थान के कई जिलों, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र से भी श्रद्धालु दर्शनार्थ पहुंचे। सुबह राजभोग आरती के समय तो श्रद्धालुओं का रिकॉर्ड ही टूट गया। बताया गया कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु शनिवार को ही दर्शन कर गए। वहीं रविवार का अवकाश होने से भी भारी भीड़ उमड़ पड़ी। यहां जन्माष्टमी पर तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। रविवार रात करीब 12 बजे भगवान कृष्ण के जन्म पर विशेष आरती होगी और भगवान को माखन मिश्री का भोग लगाया जाएगा। इस दौरान पंजेरी के प्रसाद का भी वितरण होगा। जन्माष्टमी को लेकर मंदिर में फूलों की विशेष सजावट की गई। सुरक्षा के भी कड़े बंदोबस्त रहे। 300 से ज्यादा का जाप्ता तैनात किया गया। जानकारी में सामने आया कि कृष्णधाम श्री सांवलियाजी में करीब 25 वर्षों से अखाड़ा प्रदर्शन और मटकी फोड़ का आयोजन होता रहा है। इस बार भी श्री कृष्ण सुदामा मित्र मंडल मंडफिया के तत्वावधान में उज्जैन के पिपलोदा से अखाड़ा पहुंचा।

आठ क्विंटल साबुदाने की खिचड़ी वितरित

सांवलियाजी- मेवाड़ के सुप्रसिद्ध कृष्णधाम सांवलियाजी में सोमवार को आने वाले श्रद्धालुओं को लगभग आठ क्विंटल साबुदाने की खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया गया। वर्षों पुरानी परम्परा के अनुसार सांवलियाजी कस्बे की गीता प्रचार सेवा समिति के द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को साबुदाने की खिचड़ी वितरित की जाती है। इसी क्रम में सोमवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव पर समिति के द्वारा लगभग आठ क्विंटल साबुदाने की खिचड़ी बनाकर भगवान श्री सांवलिया सेठ को भोग लगाकर प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। समिति के श्रवण तिवारी, अरुण कुमार दाधीच, उमेश तिवारी, संजय सेन, मंदिर मंडल पूर्व सदस्य भेरुलाल सोनी, अनिल शर्मा, पूर्व सरपंच हजारी दास वैष्णव, कैलाश वैष्णव, अशोक दाधीच, सुनील लोढ़ा, सुनील तिवारी, अनिल दाधीच सहित कार्यकर्ताओं ने विभिन्न व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा:

जिले में 8 सितंबर तक नेत्रदान जागरुकता पखवाड़े का आयोजन.

- चिकित्साकर्मी आमजन को करेंगे नेत्रदान के प्रति जागरूक डॉः- विजय सिंह फौजदार

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) जयपुर प्रथम। जिले मे आगामी 08 सितम्बर तक राष्ट्रीय अधंता नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत नेत्रदान जागरुकता पखवाड़े का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आमजन को नेत्रदान के महत्व को समझा कर नेत्रदान के लिए प्रेरित किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी

जयपुर प्रथम डॉ. विजय सिंह फौजदार ने बताया कि जिले मे नेत्रदान जागरुकता पखवाड़े का आयोजन 25 अगस्त से 8 सितंबर तक किया जा रहा है, जिसमें जिले के चिकित्सा संस्थानों पर आमजन को नेत्र सुरक्षा के प्रति जागरूक कर नेत्रदान के लिए प्रेरित किया जाएगा। राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा हर साल मनाया जाने वाला एक विशेष अभियान है जिसका उद्देश्य लोगों को नेत्रदान के महत्व के बारे में जागरूक करना और अधिक से अधिक लोगों को नेत्रदान करने के लिए प्रेरित करना है। डिप्टी सीएमएचओ (हैल्थ) जयपुर प्रथम डॉ. इंद्रा गुप्ता ने बताया कि किसी भी व्यक्ति द्वारा किया गया नेत्रदान अंधापन झेल रहे व्यक्तियों की जीवन में उजाला ला सकता है। पखवाड़े के दौरान प्रचार-प्रसार सामग्री का उपयोग कर आमजन को नेत्रदान के प्रति जागरूक किया जाएगा नेत्रदान के लिए जिले के चिकित्सा संस्थान पर फॉर्म भरा जा सकता है।

शाहपुरा महिला कॉलेज में पीजी के नए विषय खोलने की मांग ने पकड़ा ज़ोर

- छात्र नेत्री निकिता वर्मा ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान। शाहपुरा (खलील कुरैशी) बाबा गंगादास राजकीय महिला कॉलेज शाहपुरा की छात्र नेत्री निकिता वर्मा के नेतृत्व में छात्राओं ने रविवार को जयपुर में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में बाबा गंगादास राजकीय महिला कॉलेज शाहपुरा मे भूगोल,संस्कृत साहित्य,अग्रेजी साहित्य आदि विषयों से पीजी (स्नातकोत्तर) खोलने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन सौंपा।छात्रनेत्री निकिता वर्मा ने बताया कि शाहपुरा स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय होने के बावजूद यहां अंग्रेजी साहित्य,संस्कृत साहित्य व भूगोल जैसे महत्वपूर्ण विषयों में स्नातकोत्तर स्तर के अध्ययन व्यवस्था नहीं हैं।जिससे हजारों विधार्थियों को परेशानी उठानी पढ रही है।साथ ही स्नातक करने के बाद विधार्थियों को पीजी में अंग्रेजी साहित्य,संस्कृत साहित्य व भूगोल आदि की पढाई के लिए मजबूर होकर निजी कॉलेजों का सहारा लेने या जयपुर राजस्थान विश्वविद्यालय जाने को मजबूर है। गरीब तबके के विधार्थी तो दूसरा विषय ही बदल लेते है। कॉलेज में अधिकांश विधार्थी ग्रामीण क्षेत्र के है जो विषय नही होने,जयपुर की दूरी अधिक होने ओर निजी कॉलेजों में मंहगी फिस के चलते पीजी में दूसरा विषय चुन लेती है। मुख्यमंत्री शर्मा ने छात्राओं को शीध्र अंग्रेजी साहित्य,संस्कृत साहित्य व भूगोल विषयों में स्नातकोत्तर शुरू करने का आश्वासन दिया।इस दौरान चारू शर्मा,खुशी बुनकर,ममता जेवरिया, सपना,आशा गुर्जर,सोनिया आदि उपस्थित थी ।

राजस्थान डीजीपी यू.आर.साहू का बड़ा बयान- हमारी पुलिस की इमेज बाहर ठीक नहीं, समाजसेवी करते हैं मदद

- महानिदेशक पुलिस उत्कल रंजन साहू ने कहा कि जब समाजसेवी हमारी मदद करते हैं तो हमें बहुत खुशी होती है
- कोई तो वर्ग है, जो हमारे काम को अप्रीशीएट करता है

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। पुलिस महानिदेशक राजस्थान उत्कल रंजन साहू ने जोधपुर के पुलिस लाइन में बैरीक और कैंटीन का उद्घाटन किया। डीजीपी उत्कल रंजन साहू ने कहा कि पुलिस 24 घंटे कार्य करती है। लेकिन, जनरली हमारे पुलिस की इमेज बाहर कुछ ठीक नहीं है। जब कोई भी समाजसेवी आते हैं और हमारी मदद करते हैं तो हमें बहुत खुशी होती है। कोई तो वर्ग है, जो हमारे काम को अप्रीशीएट करती है, और हमारी सहायता करते है।पहले पुलिस में महिलाओं की संख्या कम थी उन्होंने कहा कि पहले पुलिस में महिलाओं की संख्या इतनी नहीं थी। जब संख्या बढ़ी है, तो उसके बाद उनकी जो सुविधाएं हैं, वो मिले, जिससे तनाव मुक्त माहौल मिले। ढंग से ड्यूटी कर सकें।डीजीपी ने भिवाड़ी घटना किया चैलेंजः भिवाड़ी की घटना पर डीजीपी ने कहा कि भिवाड़ी की घटना पुलिस के लिए वास्तव में चैलेंज है। पुलिस की तरफ से जितनी टीम लगानी थी, पीछा करना था, वह सब हम कर चुके हैं। एडीजी क्राइम वहां जाकर गिरफ्तारी का प्रयास करके आए हैं। हमने उसको भी चैलेंज की तरह लिया है। हम उस क्राइम को खोलकर दिखाएंगे।कांस्टेबल रैंक में वैकेंसी कुछ ज्यादा नहीं हैः पुलिस स्टाफ की कमी से जूझ रहा है, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि पुलिस में ज्यादा कमी नहीं है। प्रॉब्लम हमारी कई चीजों में है। जैसे प्रमोशन नहीं हो पाए हैं। कांस्टेबल रैंक में वैकेंसी कुछ ज्यादा नहीं है। हमारी जितनी पुलिस है, उसमें भी अच्छे से काम कर सकते हैं।

यूनिफाइड पेंशन स्कीम उत्तर पश्चिम रेलवे के लगभग 40 हजार कर्मचारी होंगे लाभान्वित : प्रदीप कुमार सिंह

सुनिश्चित पेंशन और पारिवारिक पेंशन का प्रावधान होने से रेलकर्मियों में खुशी

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। सरकार द्वारा यूनिफाइड पेंशन स्कीम की घोषणा की गई है। इस पेंशन योजना से उत्तर पश्चिम रेलवे के लगभग 40 हजार रेलकर्मी लाभान्वित होंगे। यूनिफाइड पेंशन स्कीम की जानकारी प्रदान करने के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे, मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदीप कुमार सिंह, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी/उत्तर पश्चिम रेलवे ने बताया कि यूनिफाइड पेंशन स्कीम में मुख्य बिंदु सुनिश्चत पेंशन, पारिवारिक पेंशन और न्यूनतम पेंशन के प्रावधान है।उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार प्रेस वार्ता में राजीव सिंह, मुख्य कार्मिक अधिकारी/प्रशासन ने प्रजेन्टेशन के माध्यम से यूनिफाइड पेंशन स्कीम के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि सुनिश्चित पेंशन के प्रावधान के तहत 25 वर्ष की न्यूनतम अर्हक सेवा के लिए सेवानिवृत्ति से पहले अंतिम 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलेगा तथा सुनिश्चित पारिवारिक पेंशन में एनडब्ल्यूआर कर्मचारी की मृत्यु से ठीक पहले उसकी पेंशन का 60 प्रतिशत का प्रावधान रखा गया है।इसके साथ ही सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन के तहत न्यूनतम 10 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत्ति पर 10,000 रुपये प्रति माह पेंशन प्रदान करने का प्रावधान भी इसमें रखा गया है। इसके अतिरिक्त महंगाई से राहत प्रदान करने के लिए महंगाई सूचकांक की गणना के आधार पर पेंशन में बढ़ोतरी भी हो सकेगी।मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत में प्रदीप कुमार सिंह, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी ने बताया कि यूनिफाइड पेंशन स्कीम से उत्तर पश्चिम रेलवे के लगभग 40 हजार कर्मचारी लाभान्वित होंगे और इससे लगभग 100 करोड़ रूपए का अतिरिक्त भार आयेगा।प्रेस वार्ता में प्रदीप कुमार सिंह, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी, राजीव सिंह, मुख्य कार्मिक अधिकारी/प्रशासन, जी.के. मीना, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी, संजीव दीक्षित, अपर मण्डल रेल प्रबंधक-जयपुर व डा. हिना अरोडा, वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी, जयपुर उपस्थित रहें।

वरिष्ठ समाजसेवी जगदीश मीणा हुए भारत गौरव सम्मान से सम्मानित

क्षेत्रवासियों में खूशी की लहर, लगा बधाई देने वालों का तांता

चमकता राजस्थान

कोटपूतली-बहरोड,(धर्मेंद्र बंसल)26 अगस्त 2024। सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य जगदीश मीणा पावटा को राष्ट्रीय स्तर पर भारत समाज रत्न सम्मान समारोह में भारत गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि देश की राजधानी नई दिल्ली में स्थित महाराष्ट्र सदन में आयोजित सम्मान समारोह में 21 लोगों को भारत गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। जिसके अंतर्गत मीना को भी समाज सेवा के लिए इस सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा मीणा को श्रीफल, राष्ट्रीय ध्वज एवं स्मृति चिन्ह, गौरव सम्मान पत्र एवं फूल मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया । इस मौके पर राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के कैबिनेट मंत्री जगदीश यादव, मेजर जनरल पी के सहगल, करनल रवि शंकर त्रिपाठी, जितेंद्र सिंह प्रेम यादव सहित राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के सामाजिक कार्यकर्ता एवं राजनेता उपस्थित रहे। सम्मान चार कदम वेलफेयर सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयकिशन ठाकुर एवं उनकी टीम द्वारा मीणा के द्वारा किए गए कार्यों में रक्तदान शिविरों, चिकित्सा शिविरों एवं समाज सेवा के कार्यों के बारे में विस्तार से बताया गया। इस राष्ट्रीय गौरव सम्मान के मिलने के बाद पत्रकारों से मुखातिब होते हुए मीणा ने बताया किसामाजिक संगठनों में रहते हुए वो पूरे देश में लाखों लोगों के संपर्क में रहते हुए जन सेवा के कार्य विगत 35 वर्ष से कर रहे है। जिसमें रक्तदान, शिविर चिकित्सा शिविर, विकलांग शिविर एवं समाज के उत्थान के लिए छात्रावासों के निर्माण, प्रतिभा सम्मान समारोह, सामूहिक विवाह समारोह में बढ़ चढ़कर के हिस्सा लेते रहा हूं। पूरे जीवन मैंने यह संकल्प लिया है कि जन सेवा के माध्यम से नर सेवा को नारायण सेवा मानकर मैं ईमानदारी से काम करता रहूंगा।

एसीबी ने प्रतापगढ़ में पुलिस थाना अरनोद के थानाधिकारी पुलिस निरीक्षक एवं उसके दलाल (प्राईवेट व्यक्ति) 8 लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

एसीबी का ध्येय भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरों टॉलरेंस की निति अपनाकर भ्रष्टाचारीयों पर नकेल कसना :- डॉ रवि प्रकाश मेहरड़ा

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 26 अगस्त, सोमवार। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. की प्रतापगढ़ इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुये सुरेन्द्र सिंह सोलंकी पुलिस निरीक्षक, थानाधिकारी, पुलिस थाना अरनोद, जिला प्रतापगढ़ एवं उसके दलाल गुड्डू लाल उर्फ कान्तिलाल प्रजापत (प्राईवेट व्यक्ति) को परिवादी से 8 लाख रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए. सी.बी. की प्रतापगढ़ इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसे एन.डी.पी.एस. के मामले में नहीं फंसाने की एवज में आरोपी सुरेन्द्र सिंह सोलंकी पुलिस निरीक्षक, थानाधिकारी, पुलिस थाना अरनोद, जिला प्रतापगढ़ द्वारा उसके दलाल गुड्डू लाल उर्फ कान्तिलाल प्रजापत (प्राईवेट व्यक्ति) के माध्यम से 8 लाख रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है।जिस पर एसीबीउदयपुरकेउ पमहानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरवीजन में एसीबी की प्रातपगढ़ इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विक्रम सिंह परमार के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपीगण सुरेन्द्र सिंह सोलंकी पुलिस निरीक्षक, थानाधिकारी, पुलिस थाना अरनोद, जिला प्रतापगढ़ एवं उसके दलाल गुड्डू लाल उर्फ कान्तिलाल प्रजापत (प्राईवेट व्यक्ति) को परिवादी से 8 लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपीगण से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने समस्त प्रदेशवासियों से अपील की है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की हैल्पलाईननं. 1064 एवं ह३२रंस्त्रस्त्र हैल्पलाईन नं. 94135-02834 पर 24७7 सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। एसीबी आपके वैध कार्य को करवाने में पूरी मदद करेगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929